हिन्दी सान्ध्य दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष : 01 अंक–275 : जौनपुर, शुक्रवार 07 जुलाई 2023 सान्ध्य दैनिक (संस्करण) पेज –4 मूल्य : 2 रूपया

भारत और भारतीयता के लिए समर्पित था उनका पूरा जीवन : योगी

संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 123वीं जयंती के अवसर पर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण किया और कहा कि भारत की एकात्मता और अखंडता के लिए उनके द्वारा किए गए बलिदान को यह देश सदैव स्मरण करेगा।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी का जीवन भारत और भारतीयता के लिए समर्पित था। भारत की एकात्मता और अखंडता के लिए उनके द्वारा किए गए बलिदान को यह देश सदैव स्मरण करेगा। उन्होंने कहा कि वह भारत के उद्योग और खाद्य नीति के मार्गदर्शक थे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी के विचार को आगे बढ़ाया जा रहा है। सीएम योगी गुरुवार को पार्क रोड स्थित सिविल हॉस्पिटल पहुंचे, जहां उन्होंने डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 123वीं जयंती के

अवसर पर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान सीएम योगी ने कहा कि स्वतंत्र भारत की पहली सरकार ने तुष्टिकरण की नीति पर चलना शुरू किया तो उन्होंने कैबिनेट से इस्तीफा देकर भारतीय जनसंघ की स्थापना की। सीएम योगी ने कहा कि डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी का सरकार से मतभेद उस समय भी देखने को मिला था, जब तत्कालीन नेहरू सरकार ने भारत के संविधान में जबरन अनुच्छेद 370 जोड़कर देश की संप्रभुता और सुरक्षा के साथ खिलवाड़ करने का प्रयास किया था। उसका श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने जमकर विरोध किया था। उस समय उन्होंने नारा दिया था एक देश के दो प्रधान, दो विधान और दो निशान नहीं चलेंगे।सीएम योगी ने कहा कि डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी महान देशभक्त, प्रखर स्वतंत्रता संग्राम सेनानी और प्रख्यात शिक्षाविद थे। आजादी के आंदोलन में उन्होंने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। मात्र 35 वर्ष की आयु में कोलकाता विश्वविद्यालय के कुलपति के रूप में शिक्षा क्षेत्र अनेक उल्लेखनीय कार्य किए। आजादी के पूर्व बंगला में आई अकाल की त्रासदी के समय उन्होंने मानवता की सेवा का उदाहरण प्रस्तुत किया।सीएम योगी ने कहा कि भारत के प्रति डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी की सोच को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व के प्रभावी ढंग से लागू किया जा रहा है। 1952–1953 से चली आ रही त्रासदी अनुच्छेद 370 को प्रधानमंत्री मोदी ने 5 अगस्त 2019 को समाप्त किया और जम्मू कश्मीर में लोकतांत्रिक प्रक्रिया को आगे बढ़ाया। आज जम्मू और कश्मीर विकास की नई ऊंचाइयों को छू रहा है। कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष चौधरी भूपेंद्र सिंह और भाजपा कार्यकर्ता मौजूद थे।

विशेषज्ञों की सेवा समाप्त करने का कदम सरकार का दम घोंट देगा: केजरीवाल

नयी दिल्ली। केजरीवाल ने उम्मीद जताई कि उच्चतम न्यायालय इस कदम को खारिज कर देगा। दिल्ली के उपराज्यपाल वी के सक्सेना ने विभिन्न विभागों में केजरीवाल सरकार द्वारा नियुक्त लगभग 400 'विशेषज्ञों' की सेवाओं को हाल में समाप्त कर दिया था। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने बृहस्पतिवार को कहा कि विशेषज्ञों और सलाहकारों की सेवा समाप्त करने का कदम दिल्ली सरकार और उसकी सेवाओं का ''पूरी तरह से दम घोंट देगा।'' केजरीवाल ने उम्मीद जताई कि उच्चतम न्यायालय इस कदम को खारिज कर देगा। दिल्ली के उपराज्यपाल वी के सक्सेना ने विभिन्न विभागों में केजरीवाल सरकार द्वारा नियुक्त लगभग 400 'विशेषज्ञों' की सेवाओं को हाल में समाप्त कर दिया था। इसके बाद दिल्ली सेवा विभाग ने बुधवार को दिल्ली सरकार के तहत आने वाले सभी विभागों, बोर्ड, आयोगों और स्वायत्त निकायों को पत्र लिखकर उपराज्यपाल की मंजूरी के बिना लोगों की 'फेलो' और सलाहकार के रूप में नियुक्ति रोकने को कहा।

यूसीसी पर मोदी सरकार ने बढ़ाया एक और बड़ा कदम, जीओएम का गठन कर चार मंत्रियों को दी अहम जिम्मेदारी

एजेंसी

नई दिल्ली । बताया जा रहा है कि कुछ अन्य सदस्य महिला एवं बाल विकास मंत्री स्मृति ईरानी, कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल और पूर्वोत्तर के प्रभारी मंत्री जी किशन रेड्डी हैं। इसके साथ ही समान नागरिक संहिता से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा के लिए बुधवार को भी जीओएम की मैराथन बैठकें हुईं।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा समान नागरिक संहिता की आवश्यकता के बारे में बोलने के एक सप्ताह बाद, इस मुद्दे पर आगे विचार–विमर्श के लिए मंत्रियों का एक समूह (जीओएम) गठित किया गया है। सूत्रों ने बताया कि पूर्व कानून मंत्री किरेन रिजिजू की अध्यक्षता वाले जीओएम ने यूसीसी मुद्दे पर अपना परामर्श शुरू कर दिया है। बताया जा रहा है कि कुछ अन्य सदस्य महिला एवं बाल विकास मंत्री स्मृति ईरानी, घ्कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल और पूर्वोत्तर के प्रभारी मंत्री जी किशन रेड्डी हैं। इसके साथ ही समान नागरिक संहिता से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा के लिए बुधवार को भी जीओएम की मैराथन बैठकें हुईं।सूत्रों ने कहा कि पिछले दो दिनों में उत्तर–पूर्वी राज्यों के मुख्यमंत्रियों से भी बात की गई है। मेघालय के सीएम कोनार्ड संगमा ने बुधवार को किरण रिजिजू से मुलाकात की। बैठक के बाद उन्होंने ट्वीट

किया "आज दोपहर अपने मित्र और माननीय मंत्री किरेन रिजिजू जी से मुलाकात करके खुशी हुई। हमने अपने लोगों के विकास और कल्याण से संबंधित सामान्य मुद्दों और एजेंडे पर विस्तृत चर्चा की। जानकारी के मुताबिक अलग–अलग मंत्री अलग–अलग मुद्दों पर विचार करेंगे। आदिवासियों से जुड़े मुद्दों पर किरेन रिजिजू, महिला अधिकारों से जुड़े मुद्दों पर स्मृति ईरानी बात करेंगी। वहीं, पूर्वोत्तर राज्यों से जुड़े मुद्दों पर जी किशन रेड्डी और कानूनी पहलुओं पर कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल विचार करेंगे। यूसीसी पर जीओएम ने सभी पूर्वोत्तर मुख्यमंत्रियों के साथ व्यक्तिगत और टेलीफोन पर परामर्श किया है। राज्यों में काफी संख्या में आदिवासी आबादी है और वे अपने व्यक्तिगत कानूनों में बदलाव के किसी भी प्रयास का विरोध करते हैं। कानून और न्याय संसदीय स्थायी समिति के प्रमुख सुशील मोदी ने भी कथित तौर पर यूसीसी के दायरे में आदिवासियों को शामिल करने की व्यवहार्यता पर सवाल उठाया है।

अध्यादेश को लेकर दिल्ली सरकार को राहत, सुनवाई के लिए तैयार हुआ सुप्रीम कोर्ट

एजेंसी

नई दिल्ली । भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) धनंजय वाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति पीएस नरसिम्हा और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने आप सरकार की ओर से वकील शादान फरासत के साथ पेश वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु

सिंघवी की याचिका का तत्काल उल्लेख करने पर यह आदेश पारित किया।सुप्रीम कोर्ट ने विभागों में काम करने वाले अधिकारियों के तबादलों और पोस्टिंग पर आम आदमी पार्टी (आप) सरकार से नियंत्रण छीनने के लिए केंद्र द्वारा हाल ही में लाए गए अध्यादेश की वैधता को चुनौती देने वाली दिल्ली सरकार की याचिका पर सोमवार को सुनवाई करने पर सहमति जताई है। भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) धनंजय वाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति पीएस नरसिम्हा और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने आप सरकार की ओर से वकील शादान फरासत के साथ पेश वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी की याचिका का तत्काल उल्लेख करने पर यह आदेश पारित किया।सिंघवी ने अदालत को बताया कि याचिका श्संपूर्ण रूप सेश अध्यादेश को चुनौती देती है। उन्होंने शीर्ष अदालत को सूचित किया कि मंगलवार को, सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली सरकार द्वारा दायर एक याचिका पर एक नोटिस जारी किया था। दिल्ली सरकार ने अध्यादेश को रद्द करने के अलावा इस पर अंतरिम रोक लगाने का भी अनुरोध किया है। केंद्र सरकार ने दिल्ली में 'ग्रुप–ए' अधिकारियों के तबादले और उनकी पदस्थाना के लिए एक प्राधिकरण गठित करने के उद्देश्य से 19 मई को 'राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार (संशोधन) अध्यादेश, 2023' जारी किया था। अध्यादेश जारी किये जाने से महज एक सप्ताह पहले ही उच्चतम न्यायालय ने राष्ट्रीय राजधानी में पुलिस, कानून–व्यवस्था और भूमि को छोड़कर अन्य सभी सेवाओं का नियंत्रण दिल्ली सरकार को सौंप दिया था। यह अध्यादेश दिल्ली, अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह, लक्षद्वीप, दमन एवं दीव तथा दादरा और नगर हवेली सिविल सेवा (दानिक्स) काडर के 'ग्रुप–ए' अधिकारियों के तबादले और उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्यवाही के लिए 'राष्ट्रीय राजधानी लोक सेवा प्राधिकरण' गठित करने की बात करता है।

अयोग्यता से बचने के लिए कानूनी विशेषज्ञों से सलाह लेने के बाद सरकार में शामिल हुए : भुजबल

मुंबई। अजित पवार ने शिवसेना और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) गठबंधन सरकार में गत रविवार को उपमुख्यमंत्री पद की शपथ ली, वहीं भुजबल सहित पार्टी के आठ अन्य नेताओं ने मंत्री पद की शपथ ली थी। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार के गुट वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के वरिष्ठ नेता छगन भुजबल ने बृहस्पतिवार को कहा कि मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे नीत गठबंधन सरकार में शामिल होने से पहले कानूनी विशेषज्ञों से सलाह ली गई थी ताकि सदस्यों की विधानसभा से अयोग्यता की नौबत ना आए। अजित पवार ने शिवसेना और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) गठबंधन सरकार में गत रविवार को उपमुख्यमंत्री पद की शपथ ली, वहीं भुजबल सहित पार्टी के आठ अन्य नेताओं ने मंत्री पद की शपथ ली थी। भुजबल ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि अजित पवार और अन्य नेता इस बात पर फैसला करेंगे कि पार्टी के पोस्टरों में शरद पवार की तस्वीरों का इस्तेमाल किया जाए या नहीं।शरद पवार ने अजीत पवार गुट की ओर से अपने आयोजनों में अपनी तस्वीर लगाए जाने पर आपत्ति जताई थी ।

भाजपा लाख प्रयोग कर ले, अब सफलता नहीं मिलेगी : अखिलेश यादव

संवाददाता

लखनऊ। वरिष्ठ सपा नेता हाजी फिरोज खां गब्बर के रौनाही स्थित आवास पर संगठन की अनौपचारिक बैठक में यादव ने कहा कि भाजपा से मुकाबला करने के लिए सभी को तैयार रहना होगा।समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने मंगलवार को सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधते हुए कहा कि भाजपा कितने भी प्रयोग कर ले लेकिन उसका प्रयोग सफल नहीं होने वाला है और अब उसकी मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने अयोध्या का एक दिवसीय दौरा किया। यादव ने अपने अयोध्या प्रवास के दौरान जिले के विभिन्न स्थानों पर सपा कार्यकर्ताओं औरपार्टी के प्रमुख नेताओं से मुलाकात की। उन्होंने सपा कार्यकर्ताओं से संवाद के दौरान उन्हें आगामी लोकसभा चुनाव में कड़ी लड़ाई के लिए तैयार रहने का आह्वान किया।समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं द्वारा अपने अध्यक्ष के लिए लखनऊ से लेकर अयोध्या तक भव्य स्वागत का आयोजन किया गया। यादव ने कहा, भाजपा कितने भी प्रयोग कर ले, वो प्रयोग सफल नहीं होने वाले

हैं, भाजपा की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं, 2024 में सपा और उसके सहयोगियों की ऐतिहासिक जीत होगी। यह पूछे जाने पर कि क्या वरुण गांधी सपा उम्मीदवार के तौर पर चुनाव लड़ सकते हैं, इस सवाल पर अखिलेश ने सीधे जवाब देने की बजाय कहा, समाजवादी पार्टी उसी को मैदान में उतारेगी जो कड़ा मुकाबला कर सके। गौरतलब है कि पीलीभीत से भाजपा सांसद वरुण गांधी किसानों समेत अनेक मुद्दों पर मुखर रहे हैं।ऐसे में यह भी कयास लगने लगा कि गांधी अगले वर्ष होने वाले लोकसभा चुनाव में राज्य्य की मुख्य्य विपक्षी पार्टी सपा के उम्मीदवार हो सकते हैं। भाजपा सरकार पर व्यंग्यात्मक टिप्पणी करते हुए, अखिलेश यादव ने कहा, जो लोग एक अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था के सपने दिखा रहे हैं, वे सड़कों से आवारा मवेशियों को हटाने में सफल नहीं हो पा रहे हैं। उन्होंने तंज किया, उत्तर प्रदेश की सड़कों पर यातायात प्रबंधन मवेशियों द्वारा किया जा रहा है। वरिष्ठ सपा नेता हाजी फिरोज खां गब्बर के रौनाही स्थित आवास पर संगठन की अनौपचारिक बैठक में यादव ने कहा कि भाजपा से मुकाबला करने के लिए सभी को तैयार रहना होगा।उन्होंने सपा कार्यकर्ताओं को जनता के बीच जाकर अपनी आवाज उठाने का निर्देश दिया। महाराष्ट्र में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के विभाजन पर अखिलेश यादव ने कहा, भाजपा हमेशा इस तरह के प्रयोग करती रही है, भाजपा हमेशा कहती रही है कि भ्रष्टाचार खत्म हो जाएगा। उन्ह्होंने सवाल किया कि पार्टियों को तोड़ना क्ष्या भ्रष्टाचार नहीं है। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा, ''वे दूसरी पार्टी के विधायकों को अपने पक्ष में लाने के लिए पैसे देते हैं, क्या यह भ्रष्टाचार नहीं है? अखिलेश ने कहा, इस तरह के कार्यों से भाजपा ने हमेशा लोकतंत्र को कमजोर करने और जनता द्वारा दिए गए जनादेश का अपमान करने की कोशिश की है।

यू ही नहीं पेशाब घटना के पीड़ित के शिवराज ने धोए पैर, चुनावी गणित से है इसका कनेक्शन

एजेंसी

नई दिल्ली । मामला आदिवासी समाज से जुड़ा था इसलिए कांग्रेस सहित तमाम विपक्षी दल राज्य की भाजपा सरकार पर हमलावर हो गए। आनन–फानन में सरकार ने भी आरोपी शुक्ला के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एनएसए लगा दिया। उसके घर पर बुलडोजर तक चला दिया।मध्य प्रदेश के सीधी जिले का एक वीडियो हाल में ही वायरल हो रहा था। इस वीडियो में एक व्यक्ति पर दूसरे व्यक्ति पेशाब करते हुए दिख रहा है। वीडियो वायरल हुई तब जाकर सरकार से लेकर प्रशासन तक हरकत में आई। जो जानकारी निकलकर सामने आई उसके मुताबिक पीड़ित व्यक्ति आदिवासी समाज से आता है। उसका नाम दशमत रावत है जबकि पेशाब करने वाले व्यक्ति का नाम प्रवेश शुक्ला है। इस वीडियो के सामने आने के बाद प्रदेश की राजनीति भी तेज हो गई। मामला आदिवासी समाज से जुड़ा था इसलिए कांग्रेस सहित तमाम विपक्षी दल राज्य की भाजपा सरकार पर हमलावर हो गए। आनन–फानन में सरकार ने भी आरोपी शुक्ला के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एनएसए लगा दिया। उसके घर पर बुलडोजर तक चला दिया।मामला प्रकाश में आते ही राज्य के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान सक्रिय हो गए। उन्होंने पुलिस को तत्काल इस मामले में कार्रवाई करने के निर्देश दिए। आरोपी को गिरफ्तार किया जा चुका है। शिवराज सिंह चौहान की ओर से साफ तौर पर कहा गया है कि जरूरत पड़ी तो अपराधियों को 10 फुट जमीन के नीचे भी गाड़ देंगे। इतना ही नहीं, आज शिवराज सिंह चौहान ने पीड़ित व्यक्ति दशमत रावत को अपने घर पर बुलाया। उन्होंने युवक को 'सुदामा' बुलाया और कहा, दशमत, अब तुम मेरे मित्र हो। शिवराज सिंह चौहान नेपीड़ित युवक के पैर धोए और उससे माफी मांगी। अपने हाथों से उसे खिलाया भी। चौहान ने उसके साथ विभिन्न मुद्दों पर भी चर्चा की, खासकर यह जानने के लिए कि विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का लाभ उस तक पहुंच रहा है या नहीं।इस मामले को लेकर कांग्रेस पूरी तरीके से प्रदेश की भाजपा सरकार पर हमलावर है कांग्रेस का दावा है कि आरोपी युवक भाजपा का सदस्य है। मध्य प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ ने कहा कि मध्य प्रदेश में आदिवासी

समाज सबसे अधिक है और उनके ये हालात हैं। केवल 10: ऐसी घटनाएं उजागर होती है, यह तो एक घटना है, ऐसी कई घटना सामने आती है। आदिवासी समाज कभी नहीं माफ करेगा। उन्हें(ब्ड शिवराज सिंह चौहान) सिर्फ कैमरा से मतलब था। उन्होंने कहा कि आदिवासियों पर अत्याचार के मामले में मध्य प्रदेश पहले से ही पहले स्थान पर है। कमलनाथ ने कहा कि इस घटना ने पूरे मध्य प्रदेश को शर्मसार कर दिया है। बसपा अध्यक्ष मायावती ने भी घटना की कड़ी निंदा करते हुए आरोपी की संपत्ति को जब्त या ध्वस्त किए जाने मांग की थी। एक ओर जहां मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने पूरे मामले को लेकर डैमेज कंट्रोल की कोशिश की तो वही कांग्रेस इसे बड़ा मुद्दा बनाने की कोशिश कर रही है। ना सिर्फ इसका राज्य की राजनीति बल्कि राष्ट्रीय राजनीति पर भी इसका असर रहता है।

मोदी की विदाई की तैयारी में लालू, अजित पवार के बयान पर बोले– राजनीति में बूढ़ा आदमी रिटायर नहीं होता

एजेंसी

नई दिल्ली । दिल्ली रवाना होने से पहले लालू यादव ने पटना में कहा कि 2024 में देश से नरेंद्र मोदी को हटाना है। इसके साथ ही उन्होंने अजित पवार के बयान पर कहा कि राजनीति में बूढ़ा आदमी कभी रिटायर नहीं होता है।महाराष्ट्र की राजनीति में जबरदस्त हलचल है। वहीं, महाराष्ट्र के बाद बिहार को लेकर भी राजनीतिक चर्चाओं का दौर लगातार जारी है। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री और राजद नेता लालू यादव जब भी बयान देते हैं, तो वह चर्चा में आ जाते हैं। एक बार फिर से लालू यादव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अजित पवार पर निशाना साधा है। इसके साथ ही अपने बयान से उन्होंने कई बड़े राजनीतिक संकेत भी दिए हैं। दिल्ली रवाना होने से पहले लालू यादव ने पटना में कहा कि 2024 में देश से नरेंद्र मोदी को हटाना है। इसके साथ ही उन्होंने अजित पवार के बयान पर कहा कि राजनीति में बूढ़ा आदमी कभी रिटायर नहीं होता है। लालू यादव लगातार मोदी

सरकार पर हमलावर रहते हैं। वे लगातार दावा कर रहे हैं कि 2024 में विपक्षी एकता भाजपा को हराने में कामयाबी हासिल करेगी। आज उन्होंने एक बार फिर से दावा किया कि महागठबंधन की सरकार 2024 में बनेगी। उन्होंने कहा कि महागठबंधन कम से कम 300 सीटों पर जीत हासिल करेगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री भ्रष्ट लोगों के संचालक हैं। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि आपने देखा कि प्रधानमंत्री जिन्हें भ्रष्ट कहते थे, उन्हीं को महाराष्ट्र में मंत्री बना दिया है। उन्होंने राहुल गांधी के शादी को लेकर पूछे गए सवाल पर कहा कि जो भी प्रधानमंत्री बनता है, उसे पत्नी के बिना नहीं रहना चाहिए। पत्नी के बिना पीएम आवास में रहना गलत है। लालू यादव ने शरद पवार का समर्थन करते हुए अजित पवार पर जबरदस्त तरीके से निशाना साधा उन्होंने कहा कि भतीजे अजीत के कहने से शरद पवार रिटायर नहीं हो जाएंगे। बूढ़ा आदमी राजनीति में कभी रिटायर नहीं होता है। भतीजे अजीत पवार का कोई असर नहीं है। अजित पवार ने बुधवार को अपने 83 वर्षीय चाचा शरद पवार को याद दिलाया कि यह उनके सेवानिवृत्त होने का समय है।

सम्पादकीय

दाल की खेती क्यों घटी?

दाल की खेती के इलाके अगर सिकुड़ रहे हैं, तो यह सवाल बहुत गंभीर हो जाता है। यह और भी चिंताजनक है कि जिन किसानों को पहले बाजार से दाल नहीं खरीदनी पड़ती थी, वे भी अब ऐसा करने पर मजबूर हैं।

यह खबर चिंताजनक है कि बीते साल के मुकाबले भारत में ध ाान और अरहर की खेती वाले इलाके इस साल घट गए हैं। कृषि मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक धान की खेती वाले इलाके 34 फीसदी और अरहर की खेती वाले इलाके 65 फीसदी कम हो गए हैं। खरीफ के सीजन में सोयाबीन की खेती वाले इलाके भी बीते साल के मुकाबले 34 फीसदी घट गए। यहां यह बात ध्यान में रखने की है कि दालों का सबसे बड़ा उत्पादक, उपभोक्ता और आयातक तीनों है। यानी भारत इस मामले में आत्मनिर्भर नहीं है। ऐसी हालत में दाल की खेती के इलाके अगर सिकुड़ रहे हैं, तो यह सवाल बहुत गंभीर हो जाता है। यह और भी चिंताजनक कि जिन किसानों को पहले बाजार से दाल नहीं खरीदनी पड़ती थी, वे भी अब ऐसा करने पर मजबूर हैं। यह हालत क्यों पैदा हुई?

वजह यह है कि किसानों को अब दाल की खेती करना फायदेमंद नहीं लगता। महाराष्ट्र जैसे दाल उत्पादक राज्य में अब रबी और खरीफ के सीजन के बीच के समय में उगाई जाने वाली मूंग और उड़द की जगह सोयाबीन ने ले ली है। जबकि अरहर की खेती वाले इलाकों क्षेत्र में दशकों से विस्तार नहीं हुआ है। जाहिर है, सोयाबीन का बेहतर भाव और तत्काल नकदी मिलने से किसानों में इसकी खेती के प्रति आकर्षण बढ़ा है। किसानों ने मीडियाकर्मियों को बताया है कि सोयाबीन की फसल सिर्फ 110 दिन में तैयार हो जाती है। उपज भी प्रति एकड़ 7–8 क्विंटल तक होती है। लेकिन अरहर की फसल 152 से 183 दिनों में तैयार होती है और उपज औसतन तीन क्विंटल प्रति एकड़ तक ही रहती है। लेकिन दालों का संबंध खाद्य सुरक्षा और लोगों को प्रोटीन उपलब्ध कराने से है। इसलिए सरकार को इस समस्या की तरफ ध्यान देना चाहिए। फिलहाल, सूचना यह है कि न्यूनतम समर्थन मूल्य के दायरे में चना, अरहर, उड़द, मूंग और मसूर जैसे पांच दलहन शामिल हैं, लेकिन, अक्सर किसानों को यह मूल्य नहीं मिलता। इस ट्रेंड को तुरंत पलटे जाने की जरूरत है, ताकि देश की खाद्य सुरक्षा खतरे में ना पड़े।

लोगों के स्वास्थ्य पर बहुराष्ट्रीय कम्पनियों की ओर से हो रहा है जानलेवा हमला

ललित गर्ग

स्वास्थ्य स्थितियां बेहद चिंताजनक हैं। भारतीय मध्यवर्ग की डाइट बद से बदतर होती जा रही है। जैसे–जैसे मध्यवर्ग की आमदनी और व्ययशीलता बढ़ती जा रही है, उसे अपने शरीर में कैलोरीज की मात्रा बढ़ाने के और मौके मिल रहे हैं। यूं भी भारतीय परंपरागत रूप से भोजनप्रेमी होते हैं।बहुराष्ट्रीय कंपनियों के खाद्य पदार्थ एवं डिब्बाबन्द उत्पादों के सेहत पर पड़ने वाले घातक प्रभावों पर दशकों से विमर्श होता रहा है, लेकिन जैसे–जैसे मर्ज की दवा की रोग बढ़ता गया, वाली स्थिति देखने को मिल रही है। अब जाकर विभिन्न शोधों के निष्कर्षों के आधार पर विश्व स्वास्थ्य संगठन ने खाद्य पदार्थों व पेय पदार्थों में मिलाये जाने वाली कृत्रिम मिठास को कैंसर को बढ़ाने वाला कारक माना है। बात केवल कृत्रिम मिठास की नहीं है, तरह–तरह से भारतीय भोजन के स्वास्थ्यवर्द्धक कारणों को कुचलने एवं स्वास्थ्य पर हो रहे जानलेवा हमलों की भी है।सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरमेंट (सीएसई) ने हाल ही में अपने एक अध्ययन में बताया कि बहुराष्ट्रीय कंपनियों द्वारा बेची जाने वाली कुछ स्वादिष्ट खाद्य सामग्रियों में स्वास्थ्य के लिए हानिकारक तत्व हैं। इसकी तीखी प्रतिक्रिया हुई। चाय और भुजिया, कोल्ड ड्रिंक्स और समोसा, बटर चिकन और नान का मजा लेने वाले भारतीयों में बहस छिड़ गई कि आखिर यह कैसे नुकसानदेह साबित हो सकता है। भारत में नेस्ले कम्पनी द्वारा बनाई जाने वाली मैगी पर गुणवत्ता को लेकर उठे सवाल भी हैरान करने वाले हैं। मिलावट वाले खाद्य पदार्थों एवं डिब्बाबन्द उत्पादों के बढ़ते प्रचलन से देश के लोगों का स्वास्थ्य दांव पर लगा है, लेकिन उन पर नियंत्रण की कोई स्थिति बनती हुई नहीं दिख रही है। विदेशी पूंजी एवं रोजगार की आड़ लेकर इन कम्पनियों की आर्थिक महत्वाकांक्षाओं, गलत हरकतों एवं स्वास्थ्य को चौपट करने वाली स्थितियों को किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जाना चाहिए। देश में गुणवत्ता वाले खाद्य पदार्थ ही लोगों के स्वास्थ्य की रक्षा कर सकते हैं, इसके लिये सख्त कानून के साथ ही राजनीतिक इच्छाशक्ति दिखानी होगी।

बहुराष्ट्रीय कंपनियों के खाद्य उत्पादों से अस्वास्थ्य एक व्यापक समस्या बन गयी है। शिक्षित–अशिक्षित, गरीब–अमीर, स्त्री–पुरुष, युवा–प्रौढ़ सभी इन उत्पादों के आदी होकर परेशान हैं। इनके अधिक सेवन के कारण सबको किसी–न–किसी बीमारी की शिकायत है। चारों ओर बीमारियों का दुर्भेद्य घेरा है। निरन्तर बढ़ती हुई बीमारियों का प्रमुख कारण बहुराष्ट्रीय कंपनियों के खाद्य उत्पादों का भारतीय भोजन में शामिल होना है। इन बीमारियों को रोकने के लिये नई–नई चिकित्सा पद्धतियां एवं आविष्कार असफल हो रहे हैं। जैसे–जैसे विज्ञान रोग प्रतिरोधक औषधियों का निर्माण करता है, वैसे–वैसे बीमारियां नये रूप, नये नाम और नये परिवेश में प्रस्तुत हो रही हैं, इन बढ़ती बीमारियों का कारण जंक फूड, डिब्बाबन्द उत्पाद एवं कृत्रिम मिठास है। जांच एजेंसियों की लापरवाही, संसाधनों के अभाव, भ्रष्टाचार, केन्द्र–राज्य सहयोग का अभाव और लचर दंड–व्यवस्था का खामियाजा उपभोक्ताओं को अपने स्वास्थ्य को खतरे में डालकर चुकाना पड़ रहा है।

दुनिया में बहुराष्ट्रीय शीतल पेय कंपनियों के पेय, सोडा, च्यूइंग गम आदि पदार्थों में कृत्रिम मिठास का ध ड़ल्ले से प्रयोग किया जाता है। दरअसल, मनुष्य पर कैंसरकारक असर के बाबत अंतर्राष्ट्रीय एजेंसी आईएआरसी और विश्व स्वास्थ्य संगठन के कैंसर अनुसंधान प्रभाग के अध्ययन का हवाला दिया गया है। निस्संदेह, इन निष्कर्षों ने दुनियाभर के उपभोक्ताओं की चिंताओं को बढ़ा दिया है, जो लंबे समय से इन उत्पादों के सेवन को लेकर दुविधा में थे। विशेषज्ञों ने उस पुरानी दलील को तरजीह नहीं दी कि एक सीमित मात्रा में कृत्रिम मिठास से बने उत्पाद घातक नहीं होते और इनका उपयोग किया जा सकता है। निश्चित ही बहुराष्ट्रीय कम्पनिया अपने मुनाफे के लिये जन–जन के स्वास्थ्य से खिलवाड़ कर रही है, बावजूद इसके दुनिया के शक्तिशाली देशों में प्रभावी इन कंपनियों के खिलाफ कोई भी बात नक्कारखाने में तूती की आवाज बनकर रह जाती थी। भारत में भी ऐसी कम्पनियां तेजी से पांव पसार रही हैं।

भारतीय परिवारों में इंस्टैंट नूडल्स, आलू की चिप्स, कोल्ड ड्रिंक्स ने कहर बरपाया है, ये तमाम खाद्य एवं पेय उत्पाद भले ही जायकेदार होते हैं लेकिन इनका सेवन स्वास्थ्य को चौपट कर रहा है। इनका प्रचलन बढ़ता जा रहा है, आखिर क्यों न बढ़े, हमारे तमाम बड़े सुपरस्टार्स उनका विज्ञापन जो करते हैं। आखिर, कोई ऐसा उत्पाद हानिकारक कैसे हो सकता है, जिसके विज्ञापन में किसी प्यारे–से बच्चे की आवाज सुनाई देती हो या जिनमें 'अपने ग्रैंडपैरेंट्स से प्यार करो' 'कुछ मीठा हो जाये' जैसे विज्ञापन जन्मदिन से लेकर शादी तक हर अवसर के लिये परसे हैं, जो भावनात्मक मूल्यों से खिलवाड़ करते हैं। यदि हम इन विज्ञापनों पर भरोसा करें तो पाएंगे कि कैडबरी, चिप्स और कोला का सेवन करने वाले लोग साधारण लोगों की तुलना में ज्यादा प्रेमपूर्ण, सभ्य, आधुनिक व संवेदनशील होते हैं और बर्गर और फ्राइड चिकन के कारण आप बेहतर दोस्त साबित हो सकते हैं। तो आखिर माजरा क्या है? कैडबरी ने तो भारतीय देशी मिठाइयों के भविष्य को ही धुंधला दिया है।

स्वास्थ्य स्थितियां बेहद चिंताजनक हैं। भारतीय मध्यवर्ग की डाइट बद से बदतर होती जा रही है। जैसे–जैसे मध्यवर्ग की आमदनी और व्ययशीलता बढ़ती जा रही है, उसे अपने शरीर में कैलोरीज की मात्रा बढ़ाने के और मौके मिल रहे हैं। यूं भी भारतीय परंपरागत रूप से भोजनप्रेमी होते हैं। ऐसे में अगर जायकेदार लेकिन सस्ते खाद्य पदार्थ आसानी से मुहैया हों तो क्या कहने। भले ही यह जायका जहरीला हो। इसी में जागरूकता की कमी और अनैतिक विज्ञापन संस्कृति को भी जोड़ लें तो हम पाएंगे कि हम भयावह स्थिति की ओर बढ़े चले जा रहे हैं। यह जांचने के लिए हमें किसी लैबोरेटरी स्टडी की जरूरत नहीं है कि हम जो खा रहे हैं, उनमें से कुछ चीजें हमारी सेहत के लिए वाकई नुकसानदेह हैं। एक ज्यूस ब्रांड ऐसा आमरस बेचता है, जिसके हर गिलास में आठ चम्मच शकर हो सकती है। इंस्टैंट नूडल्स का एक पैक अशुद्ध और अपरिष्कृत स्टार्च से बढ़कर कुछ नहीं होता। बच्चों को दूध के साथ पिलाए जाने वाले जौ निर्मित तथाकथित पोषक आहार शकर से भरे होते हैं। नाश्ते में जो महंगे खाद्य पदार्थ लिए जाते हैं, उनकी हेल्थ वैल्यू एक मामूली रोटी जितनी भी नहीं होती। तली हुई आलू की चिप्सें और पैटीज बर्गर निश्चित ही सेहतमंद चीजें नहीं हैं। इसके बावजूद इन उत्पादों के निर्माता ब्रांड टीवी पर विज्ञापन के लिए करोड़ों रुपए खर्च करते हैं ताकि हमारे मन में इन उत्पादों के प्रति चाह जगाई जा सके।

इन उत्पादों के कारण हमारा वजन बढ़ रहा है, तनाव एवं अवसाद को जी रहे हैं, मधुमेह के रोगी चरम पर पहुंच रहे हैं, ह्रदयरोग के आंकड़े भी इन खाद्य पदार्थों के बढ़ते प्रचलन के कारण चौंकाने वाले हैं। निश्चित रूप से पूरी दुनिया में घातक कृत्रिम मिठास, डिब्बा बन्द उत्पाद एवं जंक फूड के दुष्प्रभावों को लेकर नये सिरे से बहस का आगाज होगा। सवाल केवल बहुराष्ट्रीय कंपनियों के उत्पादों का ही नहीं है, जिन मिठाइयों और नमकीन को हम अपनी परंपरागत विरासत का एक हिस्सा समझते हैं, घरों और रेस्तरांओं में जिस तरह का तरीदार शोरबा परोसा जाता है, रेलवे स्टेशनों पर जिस तरह के समोसे और पकौड़े बेचे जाते हैं, वे सभी हमारे लिए नुकसानदेह हैं। लेकिन न तो सरकार, न ये कंपनियां और न ही हम इसे लेकर चिंतित हैं। हो सकता है आने वाले कुछ सालों में हमें इसकी कीमत चुकानी पड़े। आज हम जिस समृद्धि पर गर्व करते हैं, वही हमारे लिए महंगा सौदा साबित हो सकती है। जिन लोगों के पास खाने को कुछ नहीं है, वे भोजन को बुनियादी जरूरत मानते हैं, लेकिन जिनके सामने भरण–पोषण की कोई समस्या नहीं है, वे इसे आनंद का एक और माध्यम मानते हैं। अलबत्ता अति हर चीज की बुरी है। हमें बहुराष्ट्रीय कंपनियों पर लगाम कसने की जरूरत है, क्योंकि लगता नहीं कि वे अपने उत्पादों में पौष्टिकता परोसती है या विज्ञापनों में किसी तरह की नैतिकता का निर्वाह करती हैं। यदि वे कोई ऐसी चीज बेच रही हैं, जिसके दीर्घकालिक परिणाम घातक हो सकते हैं तो उन्हें इसका खुलासा करना चाहिए। जंक बेचने वाली कंपनियों से हमारे बच्चों की रक्षा की जानी चाहिए। विज्ञापनों को नियम–कायदों के दायरे में लाया जाना चाहिए। भोजन में जहर परोसने वाले देश के लोगों के लिये एक बड़ा खतरा है, इस खतरे से लोगों को बचाने के लिये महज व्यावसायिक या व्यवस्थागत समस्या मान कर समाधान करना उचित नहीं है, बल्कि कठोर एवं निष्पक्ष कानून व्यवस्था बननी चाहिए। बहरहाल, इस मुद्दे को दुनिया में नया विमर्श मिलना तय है। जन स्वास्थ्य की दृष्टि से यह कदम जरूरी भी है।

मैक्रों से फ्रांस में ऊबाल!

श्रुति व्यास

फ्रांस में लोग बुरी तरह भड़के हुए हैं और राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों को बहुत ही मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। वहां पांच दिनों से दंगे चल रहे हैं और देश में तनाव इतना ज्यादा बढ़ा है कि राष्ट्रपति को अपनी पहले से तय तीन दिन की जर्मनी की वह यात्रा टालनी पड़ी है, जो पिछले 23 वर्षों में किसी फ्रांसीसी राष्ट्रपति की जर्मनी की पहली यात्रा होती। साफ है फ्रांस में हालात कितने खराब हैं।कुछ दिन पहले तक राष्ट्रपति मैक्रों पेंशन पाने की न्यूनतम आयु 62 साल से बढ़ाकर 64 साल करने के अपने फैसले से पैदा हुए राजनैतिक संकट से जूझ रहे थे। इस निर्णय ने उन्हें काफी अलोकप्रिय बना दिया था। यह एक विडंबना ही है कि राष्ट्रपति मैक्रों दुनिया के नेताओं को एक मंच पर लाने में आगे रहे हैं। वे स्वच्छ पर्यावरण वाली पृथ्वी, शांति और आर्थिक स्थिरता की प्राथमिकता लिए हुए हैं।लेकिन अपने देश में ही उन्हें अशांति और अस्थिरता का मुकाबला करना पड़ रहा है। यूक्रेन युद्ध प्रारंभ होने से पहले रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात करने वालों में वे सबसे पहले बड़े नेता थे दृ हालांकि उनके इस कदम की उस समय तीखी प्रतिक्रिया हुई थी। मैक्रों को उम्मीद है कि वे ष्वह अंतर्राष्ट्रीय मेल–मिलाप कायम कर पाएंगे जो युद्ध रोकने और मौजूदा चुनौतियों का मुकाबला करने में उपयोगी होगाष्. और ष्एक शक्तिशाली यूरोप का निर्माण कर पाएंगे जो बदली हुई दुनिया में एक मजबूत आवाज बन सकेगा और जिसके सिद्धांत दुनिया के लिए उपयोगी होंगे।ष् तभी अपने करिश्माई व्यक्तित्व के कारण वे अपने समकालीन नेताओं के बीच एक हीरो बनकर उभरे हैं।लेकिन अपने देश में उन्हें हिकारत और नफरत का सामना करना पड़ रहा है। वे जनता में बहुत अलोकप्रिय हो गए हैं। यहां तक कि देश के इतिहास में पहली बार फ्रांसीसियों के एक बड़े क्षेत्र में प्रवेश पर पाबंदी लगा दी गई है जहां 8 मई को मुक्ति दिवस के रूप में मनाया जाता था।वे फ्रांस के सबसे युवा राष्ट्रपति हैं, जिन्होंने दुनिया में चल रही दक्षिणपंथ और पोपुलिज्म की लहर को शिकस्त दी थी। लोगों को उनसे बहुत उम्मीदें थीं। उन्होंने राजनैतिक ढांचे की बांटने वाली दीवारों को ध्वस्त किया था। लेकिन आज वे निंदा और तिरस्कार का सामना कर रहे हैं। सार्वजनिक आयोजनों में उनका मजाक उड़ाया जाता है। उनके साथ धक्का–मुक्की हुई है।उन्हें थप्पड़ मारे गए हैं और उन पर अंडे–टमाटर फेंके जाते हैं। राजनैतिक दृष्टि से भी वे असुरक्षित हैं। उनकी अल्पमत मध्यमार्गी सरकार धुर वामपंथी और राष्ट्रवादी व धुर दक्षिणपंथी समूहों के दो पाटों के बीच फंसी हुई है। पहले पेंशन के मुद्दे और अब इन दंगों के चलते विपक्ष को उन पर कीचड़ उछालने का एक और मौका मिल गया है।हालांकि इस बार दंगों की प्रकृति अलग है। वे किसी सरकारी नीति के कारण नहीं भड़के हैं बल्कि इनके मूल में है पुलिस द्वारा की गई हिंसा और नस्लवाद। पिछले हफ्ते मोरक्को और अल्जीरियाई मूल के एक 17 साल के युवक को एक ट्रैफिक स्टाप पर एक पुलिस अधिकारी ने गोली मारी,जिससे उसकी मौत हो गई। इस हत्या ने पुलिसिया हिंसा के सबसे अतिवादी स्वरूप को बेनकाब किया जिसमें उन समुदायों को लंबे समय से निशाना बनाया जाता रहा है जो श्वेत नहीं हैं। इस घटना से पूरे देश में असंतोष फैला। यह राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों की सत्ता के लिए एक और झटका है क्योंकि उन्हें एक बार फिर आग की लपटों में घिरे फ्रांस का सामना करना पड़ रहा है। राष्ट्रपति ने पुलिस की कार्यवाही को ष्अक्षम्यष् और ष्गैर–जिम्मेदारानाष् बताया। सन् 2017 की शुरुआत में पुलिस द्वारा हथियारों के उपयोग के बारे में नियमों में ढील दी गई थी (यह मैक्रों के पूर्ववर्ती फ्रेंकोइस हॉलेंड ने किया था)। इसके नतीजे में उसके बाद के सालों में पुलिस द्वारा प्राणघातक गोलीबारी की घटनाओं में लगातार वृद्धि हुई है। सन् 2017 में जहां इन घटनाओं में 27लोगों की मौतें हुईं थीं वहीं सन् 2021 में इनमें 52 लोग मारे गए।

सन् 2022 में सड़कों पर वाहनों की जांच के दौरान 13 लोग मारे गए, जो एक रिकार्ड है। बॉनल्यु (बड़े शहरों के उपनगरों) में हालात ज्यादा बुरे हैं। वहां रहने वालों का मानना है कि पुलिस अहंकारी है और उनके साथ बुरा व्यवहार करती है। बताया जाता है कि युवकों के आईडी कार्ड देखे जाते हैं और उनके ष्इरादोंष् की पड़ताल की जाती है।30 जून को संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार कार्यालय ने फ्रांस से गुहार की कि वह ष्कानून लागू करने में नस्लवाद और भेदभाव के गंभीर मामलों की ओर ध्यान दे।ष् राष्ट्रपति मैक्रों अत्यंत गंभीर मुश्किल में हैं। सन् 2017 में पद संभालने के बाद से उन्होंने पुलिस पर भरोसा किया जिससे देश की सियासत में पुलिस की भूमिका और महत्वपूर्ण हुई। विभिन्न सामाजिक सुधारों के विरोध के लंबे सिलसिले दृ जिसमें पेंशन प्रणाली का मुद्दा सबसे ताजा है दृ का मुकाबला पुलिस ने सख्ती से किया। महामारी के सबसे बुरे दौर में मैक्रों द्वारा लागू किए गए लाकडाउन और कर्फ्यू पर अमल करवाने में पुलिस अधिकारी सबसे आगे थे। अब जबकि पुलिस राष्ट्रस्तरीय टकरावों और विवादों के केन्द्र में है, कोई आश्चर्य नहीं कि मैक्रों के हाथ बंधे हुए होंगे।इसके अलावा राजनीति में भी मुश्किले है। राजनीति में भी मैक्रों की स्थिति अब अच्छी नहीं है। उनकी विरोधी और प्रतिद्वंद्वी नेशनल रैली की मारीन ल्युपेन ने इसे ष्तानाशाह सत्ता का नशाष् बताया और स्थानीय स्तर पर कर्फ्यू लगाने और जरूरत होने पर आपातकाल लागू करने की बात कही। उन्होंने प्रवासियों से जुड़े कानूनों के ढीले–ढाले होने की बात भी कही हालांकि 17 साल का मृतक नाहेल देश में ही पला–बढ़ा फ्रांस का नागरिक था।

अब किसी तोडफोड़ से राहुल नहीं रुकेंगे !

शकील अख्तर,

तेलंगाना की राहुल की विशाल सभा ने दिखा दिया कि जनता किसके साथ है।ज्यही है फासिज्म कि हम उठा कर ले जाएंगे, तोडेंगे, बता रहे हैं! क्या कर लोगे? जी हां! न्यूज चौनलों और अखबारों में ऐसे ही हैडिंग भरे पड़े हैं। एनसीपी के बाद जेडीयू तोडेंगे। उत्तर प्रदेश में भी विपक्ष टूटेगा। कर्नाटक बचेगा नहीं, कांग्रेस मध्य प्रदेश को याद रखे!ज्मीडिया का हाल बैंड बाजा टीम से भी बुरा हो गया है। बैंड वाले शोक सभा मेंखुशी की धुन नहीं बजाएंगे। चाहे आप कितना ही पैसा दे दो। एक नैतिकता, प्रोफेशनलिज्म उनमें है। मगर इस मीडिया से आप कुछ भी कहलवा लो लिखवा लो।यह चेतावनी या ध मकी नहीं है, यही है फासिज्म कि हम उठा कर ले जाएंगे,तोडेंगे, बता रहे हैं! क्या कर लोगे?जी हां! न्यूज चौनलों और अखबारों में ऐसे ही हैडिंग भरे पड़े हैं। एनसीपीके बाद जेडीयू तोडेंगे। उत्तर प्रदेश में भी विपक्ष टूटेगा। कर्नाटक बचेगा नहीं, कांग्रेस मध्य प्रदेश को याद रखे!मतलब रोक सकते हो तो रोक लो। आज तुम्हारे यहां चोरी होगी। चोरी औरसीनाजोरी का मुहावरा यहीं से निकला है। सामंतवाद में ऐसी ह दबंगी होतीथी। उसी के खिलाफ जनता को संरक्षण देने के लिए लोकतंत्र आया।लोकतंत्र मतलब लोग अपनी मर्जी से अपनी शासन व्यवस्था चुनें। दलीयलोकतंत्र। जहां आप किसी दल को उसके प्रतिनिधि को अपने लिए चुनते हैं। मगरअब तो उन्हें उठाकर ले जाया जा रहा है। और कहा जा रहा कि और ले जाएंगे।महाराष्ट्र में ले गए। बिहार में करेंगे। यूपी में भी होगा। और गोदीमीडिया इसको बहुत बहादुरी का काम बता रहा है।माफ कीजिए यह बिल्कुल भांडों का काम है। जो किसी लड़की का अपहरण करने कोभी राजा की बहादुरी और वीरता बता देते थे। कुछ इस तरह जैसे हमारे यहांडाकुओं पर बनने वाली फिल्मों में डाकू दिन तारीख बता कर कहते थे सेठ तेरेयहां आएंगे। जो कर सकता है कर लेना। लूट कर जाएंगे।बड़ी अच्छी बात है! एकदम गैर–कानूनी, अनैतिक, दबंगी का काम करने वालेनायक की तरह पेश किए जा रहे हैं। और पीडितों को अयोग्य बताया जा रहा है।कहा जा रहा है कि अपने घर की रक्षा नहीं कर पाए। मतलब हम तो डाकाडालेंगे, तुम अगर बचा नहीं पाए तो दोष तुम्हारा। नालायक हो निकम्मे हो!यह नया दौर चल रहा है। पीडित को ही दोषी ठहराने का। और आरोपी को हीरोबनाने का। अभी ब्रजभूषण शरण सिंह को बनाया जा रहा था हीरो। और ओलम्पिकमें मैडल लाने वाली पहलवानों पर उल्टे इल्जाम लगाए जा रहे थे। उनसे हीसवाल किए जा रहे थे।अब अजीत पवार को हीरो बनाया जा रहा है। अभी कुछ दिन पहले ही वे जब सुबहमुंह अंधेरे भजपा के मुख्यमंत्री फडनवीस के साथ शपथ लेकर फिर वापस माफीमांगते हुए शरद पवार के पास आ गए थे तो उनको डरपोक, अस्थिर सोच काव्यक्ति बताया जा रहा था। अब फिर उन्होंने दल बदल किया तो वे वीर बहादुरहो गए। असली पवार हो गए।मीडिया का हाल बैंड बाजा टीम से भी बुरा हो गया है। बैंड वाले शोक सभा मेंखुशी की धुन नहीं बजाएंगे। चाहे आप कितना ही पैसा दे दो। एक नैतिकता,प्रोफेशनलिज्म उनमें है। और इंसानी सभ्यता, मानवता भी। मगर इस मीडिया सेआप कुछ भी कहलवा लो लिखवा लो। ये भयानक ट्रेन दुर्घटना में सैंकड़ोलाशों, घायलों के बीच मोदी मोदी के नारे कवर करते हैं। और उत्साह पूर्वकबताते हैं कि देखिए कैसा माहौल है।लेकिन मूल सवाल मीडिया का नहीं, उसकी तो अब कोई हैसियत बची नहीं है, वहतो उस फिल्मी गाने की तरह हो गई कि दृ बैठ जा, बैठ गई, खड़ी हो जा खड़ीगई, घूम जा घूम गई! उससे क्या कहना। वह तो बस में हो गई। सवाल भाजपा काहै कि महाराष्ट्र में अपनी चलती हुई सरकार के बावजूद अचानक उसे वहां तोडफोड़ की क्या सूझी?यह दरअसल महाराष्ट्र के लिए नहीं है। महाराष्ट्र में यह दांव उसे उल्टापडना है। वहां तो इस नए ड्रामे के बाद उद्धव ठाकरे का कद सबसे ज्यादाबढ़ गया। एक तो भाजपा के खुद बहुमत में आने के बाद एकनाथ शिंदे महत्वहीनहो गए। इससे उनके वापस कभी भी उद्धव ठाकरे के पास लौटने की संभावनाएं बढगई हैं। दूसरे एकनाथ सहित, फडनवीस, अजीत पवार, शरद पवार सब का भोकाल खतमहो गया है। जनता में सीधा मैसेज गया है कि राज्य में सबसे ज्यादापरिपक्व, गंभीर और सरकार चलाने की योग्यता रखने वाला नेता उद्धव ठाकरेहै। इसके साथ ही उनके बेटे आदित्य ठाकरे की स्थिति मजबूत हो रही है।आदित्य ने अपने छोटे से राजनीतिक जीवन में तीन बार सरकार बदलते और अपनीपार्टी सहित सभी पार्टियों में टूट फूट देख ली है। उन्हें पिता के साथपटना जाने का भी मौका मिला था। उद्धव को ऐसे मौके नहीं मिले। क्योंकि बालठाकरे कहीं जाते नहीं थे। इसलिए उनके बाद उद्धव को राजनीति समझ में आनेमें टाइम लगा। लेकिन आदित्य की राजनीतिक शिक्षा दीक्षा अच्छी हो रही है।समय उन्हें अनुभव भी खूब दे रहा है। संभवतरू वे विपक्ष की दूसरी बैठक मेंबंगलूरू भी आएं। ये महाराष्ट्र का घटनाक्रम है। जो ठाकरे परिवार के पक्षमें जाता हुआ दिख रहा है।तो इसके लिए मोदी जी ने एनसीपी में तोडफोड़ नहीं करवाई है। दरअसल यहराहुल गांधी के लगातार एक के बाद एक मोर्चे जीतते चले जाने और इससेहिम्मत पाकर दूसरे विपक्षी दलों के उनके साथ आने को रोकने के लिए की गईकार्रवाई है। इसका सीधा उद्देश्य विपक्षी दलों में खौफ पैदा करना है किअगर राहुल के साथ गए तो तुम भी सलामत नहीं रहोगे। एनसीपी तोड़ दिया औरअबकिसी भी पार्टी को तोड़ सकते हैं। और तोडने के लिए हमारे पास ईडी, इनकमटैक्स, सीबीआई, एनआईए और कई एजेन्सियां हैं।देखिए इसी डर से अखिलेश सीधे तेलंगाना पहुंच गए। वहां एक दिन पहले हीराहुल बीआरएस पार्टी को भाजपा की रिश्तेदार समिति और मुख्यमंत्री केसीआरको मोदी की कठपुतली बता कर आए थे। बहुत विशाल सभा में और ऐसी भीड़ में जोजोश में थी। राहुल को देखकर रिस्पांस कर रही थी। इससे जितना केसीआर कोखतरा महसूस हुआ उससे ज्यादा प्रधानमंत्री मोदी को।ठीक है मामला राहुल केसीआर और मोदी का था। मगर इसमें अखिलेश यादव ने काहेको एन्ट्री ले ली! दरअसल अखिलेश की एन्ट्री में ही सारी कहानी छुपी हुई है। अखिलेश तेलंगाना पहुंचे और बोले कि केसीआर से मिलकर मोदी से लड़ेंगे। वाह! वैरी गुड! केसीआर तो खुद अभी राहुल से लड़ रहे हैं। उनके यहांविधानसभा चुनाव है। केसीआर के मोदी से लडने का सवाल कहां आता है? मोदीसे तो राहुल लड़ रहे हैं। लेकिन अखिलेश कहते हैं कि केसीआर के साथ मिलकरमोदी से लड़ेंगे।यही एनसीपी को तोडने का बाय इफेक्ट है। अखिलेश हिल गए। अप्रत्यक्ष रूपसे मोदी की मदद करने लगे। केसीआर के साथ मिलकर मोदी से लडने का मतलबतीसरे मोर्चे की सुगबुगाहट को फिर से तेज करना है। और तीसरा मोर्चा मतलबमोदी को फायदा पहुंचाना। मगर अब एक मजेदार बात है। तीसरा मोर्चा फिर से बनवाने की कोशिशें भाजपाचाहे जितनी कर ले। बंगलूरू में होने वाली 17– 18 जून की बैठक में जाने सेकिसी को रोक ले मगर इन सबसे अब राहुल को नहीं रोक सकते।राहुल फार्म में आ गए हैं। और क्रिकेट में कहते हैं कि बड़ा बैट्समेनबड़े मैच के पहले ही फार्म में आता है। 2024 लोकसभा बड़ा मैच है। फाइनल।और उससे पहले राहुल के लिए सारे मैच क्वार्टर, सेमी सब आसान होने जा रहेहैं। पांच राज्यों के चुनाव हैं इसी साल। इनमें से एक में भी भाजपा मजबूतनहीं है। मोदी जी को इसकी ज्यादा चिन्ता नहीं है। असली चिन्ता है 2024लोकसभा जीतना। और उसके लिए सबसे बड़ी बाधा विपक्षी एकता है। उसे मोदी जीतोडना चाहते हैं। महाराष्ट्र इसी लिए किया गया और मीडिया के जरिए माहौलबनाया गया कि राहुल की वजह से एनसीपी टूटी।मीडिया और भाजपा को नहीं मालूम कि अब घबराहट में कही और की गई उनकी हरबात का फायदा राहुल को मिल रहा है। मैसेज क्या गया कि राहुल इतने ताकतवरहो गए हैं कि उनके कुछ बिना किए उनके असर से दूसरी पार्टियां प्रभावितहोती हैं! वे कुछ भी कर सकते हैं! ऐसी छवि तो कभी मोदी जी की थी। वह अब राहुल में स्थानान्तरित हो गई है।इसलिए अब विपक्ष कम साथ आए। ज्यादा शर्तें रखे कोई फर्क पड़ने वाला नहींहै। एक माहौल जो बनना था कि मोदी के मुकाबले कौन? वह बन गया।राहुल सामने खड़े हैं। अब केजरीवाल कुछ कहें, अखिलेश कुछ करें और भी एकदो दल दुलमुल हों मगर जनता राहुल के नेतृत्व वाली विपक्षी एकता के पक्षमें दिख रही है। तेलंगाना की राहुल की विशाल सभा ने दिखा दिया कि जनताकिसके साथ है।

भारतीय आर्थिक दर्शन पर आधारित होना चाहिए वस्तुओं की कीमतों का निर्धारण

प्रहलाद सबनानी

हाल ही में प्रकृति जन्य कारणों के चलते यदि टमाटर के उत्पादन पर विपरीत प्रभाव पड़ा है तो बाजार में टमाटर की कीमतों में अत्यधिक (10 गुना) वृद्धि, पश्चिम देशों के आर्थिक चिंतन पर तो खरी उतरती हैं परंतु भारतीय आर्थिक चिंतन के बिलकुल विपरीत है।वर्तमान में पूरे विश्व में सामान्यतः वस्तुओं की कीमतों का निर्धारण पश्चिमी आर्थिक दर्शन पर आधारित वस्तुओं की मांग एवं आपूर्ति के सिद्धांत के अनुरूप होता है। यदि किसी वस्तु की बाजार में मांग अधिक है और आपूर्ति कम है तो उस वस्तु की उत्पादन लागत कितनी भी कम क्यों न हो, परंतु उस वस्तु की बाजार में कीमत बहुत अधिक हो जाती है। वस्तु सामान्य नागरिकों के लिए कितनी भी आवश्यक क्यों न हो और चाहे उस वस्तु की आपूर्ति कई प्राकृतिक कारणों के चलते विपरीत रूप से प्रभावित क्यों न हुई हो, परंतु बाजार में तो उस वस्तु की कीमतें कुछ ही समय में आकाश को छूने लगती हैं। जैसे अभी हाल ही में भारत में देश के कुछ भागों में मौसम में आए परिवर्तन के चलते टमाटर की फसल खराब हो गई है, इसके कारण बाजार में टमाटर की आपूर्ति पर विपरीत प्रभाव दिखाई पड़ा है, देखते ही देखते खुदरा बाजार में 5 रुपए से 10 रुपए प्रति किलोग्राम बिकने वाला टमाटर 120 रुपए प्रति किलोग्राम से भी अधिक कीमत पर बिकने लगा है।पश्चिमी आर्थिक दर्शन दरअसल केवल ष्मैंष् के भाव पर आधारित है अर्थात केवल मेरा लाभ होना चाहिए। समाज के अन्य वर्गों का कितना भी नुकसान क्यों न हो परंतु मेरे लाभ में कमी नहीं आना चाहिए। इसी भावना के चलते बड़े देश, छोटे देशों का शोषण करते नजर आते हैं। बड़ी बहुराष्ट्रीय कम्पनियां छोटी कम्पनियों को खा जाती हैं। उत्पादक, उपभोक्ताओं का शोषण करता हुआ दिखाई देता है एवं बड़े व्यापारी छोटे व्यापारियों का शोषण करते रहते हैं। कुल मिलाकर बड़ी मछली, छोटी मछली को निगलती हुई दिखाई दे रही है। पश्चिमी आर्थिक दर्शन में वस्तुओं की कीमतों में कमी होना मतलब आर्थिक क्षेत्र में श्मंदीश का आना माना जाता है। वर्ष 1920 में प्रथम विश्व युद्ध की समाप्ति के पश्चात चूंकि कई देश इस विश्व युद्ध में बर्बाद हो चुके थे अतः उत्पादों को खरीदने के लिए कई देशों के नागरिकों के पास पर्याप्त पैसे ही नहीं बचे थे, जिसके कारण उत्पादों की मांग बाजार में बहुत कम हो गई और वस्तुओं के दाम एकदम बहुत अधिक गिर गए थे। उस समय पर इस स्थिति को गम्भीर मंदी की संज्ञा दी गई थी। पश्चिमी आर्थिक दर्शन में उत्पादकों की लाभप्रदता किस प्रकार अधिक से अधिक होती रहे, इस विषय पर ही विचार किया जाता है। देश के आम नागरिकों को कितनी आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है, इस बात की ओर सरकारों का ध्यान नहीं जाता है। क्योंकि केवल आर्थिक विकास होना चाहिए, इस धारणा के अनुसार ही वहां की सरकारें चलती हैं।अभी हाल ही में विकसित देशों द्वारा मुद्रास्फीति की समस्या का हल निकालने के लिए इन देशों के केंद्रीय बैंकों द्वारा ब्याज दरों में लगातार वृद्धि की जा रही है ताकि नागरिकों के हाथों में धन की उपलब्धता कम हो और वे बाजार में वस्तुओं को कम मात्रा में खरीद सकें, इससे वस्तुओं की मांग में कमी होगी और इस प्रकार मुद्रा स्फीति पर नियंत्रण स्थापित किया जा सकेगा। इस निर्णय का इन देशों के नागरिकों एवं वहां की अर्थव्यवस्थाओं पर विपरीत प्रभाव पड़ता दिखाई दे रहा है। उत्पादों की मांग को कृत्रिम तरीके से कम करने के कारण कम्पनियों ने वस्तुओं के उत्पादन को कम कर दिया है एवं इसके चलते कई कम्पनियों ने कर्मचारियों एवं मजदूरों की छँटनी प्रारम्भ कर दी है। अतः इन देशों में बेरोजगारी फैल रही है। पश्चिमी आर्थिक दर्शन की भावना के अनुरूप विकसित देशों में कई बार ऐसे अमानवीय निर्णय भी लिए जाते हैं।उक्त आर्थिक नीतियों के ठीक विपरीत भारत में भारतीय आर्थिक दर्शन में देश के समस्त नागरिकों को किस प्रकार सुख पहुंचाया जाये, इस बात का विशेष ध्यान रखा जाता है। प्राचीन भारत में उत्पादों के क्रय विक्रय के सम्बंध में उत्पादों की कीमतों के बारे में स्पष्ट नीति निधारित रहती थी और इसका वर्णन शास्त्रों में भी मिलता है। किसी वस्तु के उत्पादन में जो कुछ भी व्यय हुआ है, वह राशि ही उस वस्तु की वास्तविक लागत मानी जाती थी, परंतु वस्तु की उपलब्धता एवं उपयोगिता के आधार पर कभी वास्तविक मूल्य से कुछ अधिक अथवा कुछ कम राशि में यह उत्पाद बेचा एवं खरीदा जाता था। भारतीय शास्त्रों में यह भी वर्णन मिलता है कि यदि किसी वर्ष विशेष में किसी कृषि उत्पाद का उत्पादन, प्राकृतिक आपदाओं के

एक ही रात तीन घरों में हुई चोरियों से दहशत चोरों ने लाखों का माल किया पार

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। सिकरारा थाना क्षेत्र की सीमा से सटे लाइन बाजार थाना क्षेत्र के कुंवरदा गांव मे गुरुवार की रात मनबढ़ चोरो ने तीन घरो को निशाना बनाया। पीड़ित परिवारों के अनुसार सत्तर हजार नगदी सहित लगभग चार लाख का सामान चोरी हुआ है। सूचना पर पुलिस व डाग स्क्वाड टीम मौके पर पहुंचकर जांच मे जुट गई है। जानकारी के अनुसार उक्त गांव निवासी राम अकबाल यादव अपने मकान मे ही किराना की दुकान चलाते है। मकान के बगल ही रिहायशी मड़हा है। घटना की रात वे भोजन के बाद परिवार के साथ उसी छप्पर मे सोने चले गए थे। उन्होंने बताया कि शुक्रवार की सुबह जागने पर उन्होंने देखा कि घर का सारा सामान फैला हुआ था। कमरों मे जाकर. देखा तो आलमारी टूटी थी और दो लोहे के बाक्स गायब थे। थोड़ी ही देर मे ढ़ूढ़ने के बाद दोनों बाक्स दो सौ मीटर दूर एक खेत मे टूटे हुए मिले। बताया कि चौसठ हजार नगदी सहित लगभग चार लाख के सोने के गहने चोरी गए है। गांव के ही रतनलाल यादव के घर भी चोरी हुई। उन्होंने बताया कि छ हजार नगदी सहित लगभग दो लाख के सोने के आभूषण चोरी हुए है। गांव के ही संतोष यादव ने बताया कि चोर उनके घर मे भी घुसे थे। एक मोबाइल उठा ले गए है।

सूचना पर शुक्रवार की सुबह पहुंची लाइन बाजार पुलिस मामले की जाँच मे जुट गई। परिजनों की मांग पर जिले से आई डाग स्क्वाड टीम ने घर व खेत मे मिले बाक्स के पास पहुँच कर जांच किया।

ट्रेन से कटकर युवक का दोनों पैर कटा, हालात गम्भीर

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जफराबाद थाना क्षेत्र के रेलवे स्टेशन पर शुक्रवार को एक 35 वर्षीय युवक का दोनों पैर कट गया।युवक का हालात काफी गम्भीर है।उसे आरपीएफ चौकी इंचार्ज प्रदीप कुमार सिंह ने तत्काल जिला चिकित्सालय भिजवाया।

रायबरेली जिले के गंगागंज क्षेत्र के पूरे यदुनाथसिंह गांव निवासी रमन सिंह पुत्र इंद्र बहादुर सिंह अपनी पत्नी लाडो सिंह तथा मित्र मन्नू चौहान के साथ सुल्तानपुर से वाराणसी जा रहा था।उक्त स्टेशन पर प्लेटफार्म नम्बर एक पर ट्रेन से उतरकर पानी केने गया।जैसे ही रमन सिंह पानी लेकर लौटने लगा ट्रेन चल दी।वह भाग कर ट्रेन पर चढ़ने लगा।अचानक वह गिर गया।उसका दोनो पैर ट्रेन की चपेट में आकर कट गया।ट्रेन रुक गयी।उसकी पत्नी तथा दोस्त नीचे उतर गए।वहां उसकी हालत देख पत्नी बेहोश हो गयी।आरपीएफ के चौकी प्रभारी प्रदीप सिंह ने बहुत ही सराहनीय कार्य करते हुए घायल की मदद किया।उसे जिला चिकित्सालय भिजवाया।वहां से उसे ट्रामा सेंटर वाराणसी भेज दिया गया।

खंभे से टकराई बाइक दो घायल

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। शाहगंज कोतवाली थाना क्षेत्र के नगर के एराकियाना स्थित पेट्रोल पंप के समीप गुरुवार की रात अनियंत्रित बाइक खंभे से टकरा गई। बाइक सवार दो युवक घायल हो गए। मौके पर मौजूद राहगीरों ने पुलिस को सूचना देकर उपचार के लिए स्थानीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार क्षेत्र के ताखा पूरब गांव निवासी गौतम (20)पुत्र इंद्र जीत व पिंटू(21) पुत्र राम चंदर गुरुवार की रात जौनपुर की तरफ से अपने बाइक से घर जा रहे थे। जैसे ही एराकियाना स्थित पेट्रोल पंप के समीप पहुचे बाइक अनियंत्रित होकर खंभे से टकराने से बाइक सवार दोनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। मौके पर मौजूद राहगीरों ने पुलिस को सूचना देकर उपचार के लिए स्थानीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया।चिकित्सकों ने इलाज के दौरान हालत गंभीर देखकर दोनों को जिला चिकित्सालय रेफर कर दिया।

35 लाख का सामान समेत 2.5 लाख नकदी चोरी का मुकदमा दर्ज

सात नामजद के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच में जुटी

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। शाहगंज कोतवाली थाना क्षेत्र के अर्गूपुर कला गांव निवासी युवक के बीबीगंज बाजार स्थित एल्युमीनियम बाये डीएपी खाद गोदाम का ताला तोडकर चोरों ने 35लाख का सामान समेत ढाई लाख नकदी लेकर चोर फरार हो गए। पुलिस महानिदेशक के आदेश पर कोतवाली पुलिस ने सात नामजद के खिलाफ बुधवार को मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच में जुटी ।

प्राप्त जानकारी के अनुसार क्षेत्र के अर्गूपुर कला गांव निवासी राज बहादुर चौहान पुत्र त्रिभुवन चौहान का बीबीगंज बाजार स्थित एल्युमीनियम बायें डीएपी खाद गोदाम का 24 जून को ताला तोडकर दबंगों ने 35 लाख का सामान समेत 2.5 लाख नकदी चोरों ने पार कर दिया। पीड़ित राज बहादुर चौहान का आरोप है की जिसकी तहरीर कोतवाली पुलिस को दी गई थी। लेकिन पुलिस ने आरोपियों को 107द्16 के तहत चालान न्यायालय भेज दिया ।पीड़ित का आरोप है कि दबंग चोरों ने छूटने के बाद पीड़ित को जान से मारने की धमकी भी दे रहे हैं। जिसकी शिकायत पुनः स्थानीय पुलिस से पीडित ने किया। लेकिन पुलिस मुकदमा दर्ज नही किया। जिसकी लिखित शिकायत वाराणसी पुलिस महानिदेशक को दिया। महानिदेशक के आदेश पर कोतवाली पुलिस ने सात नामजद के विरुद्ध संबंधित धाराओं में मुकदमा पंजिकृत कर मामले की जांच में जुटी हैं।

वेटेज के लिए शिक्षकों ने परिजनों को बना दिया झूठा रोगी, जांच में खुली पोल

संवाददाता

लखनऊ। यूपी बेसिक शिक्षा में तबादला पाने के लिए शिक्षकों ने परिवार के लोगों की झूठी बीमारी के प्रमाण पत्र लगा दिए, ताकि वेटेज पाया जा सके। अब सरकार इसकी जांच कर रही है। प्रदेश में बेसिक

शिक्षा विभाग में किए गए तबादलों में शिक्षकों ने गलत कागज लगाकर लाभ लिया। शासन के निर्देश पर जिलों में जब सीडीओ की अध्यक्षता वाली कमेटी ने जांच की तो उनकी ओर से लिए गए वेटेज को सही नहीं पाया गया। इसे देखते हुए शिक्षकों को कार्यमुक्त करने से रोक दिया गया है। वहीं अब इन पर विभागीय कार्यवाही की तलवार लटक गई है।बेसिक शिक्षा विभाग ने लंबे समय बाद शिक्षकों के एक से दूसरे जिले में तबादले के लिए प्रक्रिया शुरू की। लंबी जद्दोजहद के बाद 16,614 शिक्षकों के तबादले किए गए। किंतु शिक्षकों को कार्यमुक्त करने से पहले उनकी ओर से विभिन्न वेटेज के लिए लगाए गए कागजातों की फिर से जांच कराने का निर्णय लिया गया। क्योंकि असाध्य रोग के लिए लगाए गए कागजात में प्राथमिक स्तर पर कमियां मिली थीं।इसके लिए हर जिले में सीडीओ की अध्यक्षता में कमेटी का गठन किया गया था। जांच के बाद श्रावस्ती में 38, बहराइच में 55 शिक्षकों को अपात्र पाए जाने पर कार्यमुक्त करने से रोक दिया गया। श्रावस्ती में 38 में से 35 शिक्षकों व बहराइच में 55 में से 50 शिक्षकों ने असाध्य रोग से संबंधित वेटेज के लिए आवेदन किया था। इनके कागज सही न पाए जाने पर इनका तबादला रोक दिया गया है। संबंधित जिलों के बीएसए ने इन शिक्षकों को कार्यमुक्त न करने का आदेश दिया है। यह स्थिति कई अन्य जिलों में भी है।शासन स्तर पर भले ही शिक्षकों के तबादले की सूची जारी कर दी गई। किंतु सीडीओ की अध्यक्षता वाली कमेटी की जांच कुछ जिलों में नहीं पूरी हुई। वहीं कुछ जिलों में अन्य औपचारिकता नहीं पूरी की जा सकी। इसकी वजह से अभी तक शिक्षकों को कार्यमुक्त व ज्वॉइनिंग नहीं कराई जा सकी है। जबकि तीन जुलाई से विद्यालय खुल गए हैं। इसका असर पठन–पाठन भी पड़ रहा है।बेसिक शिक्षा परिषद के सचिव प्रताप सिंह बघेल ने कहा कि गलत कागज लगाकर वेटेज लेने वाले शिक्षकों को कारण बताओ नोटिस जारी की जाएगी। इसके बाद दोषियों पर कड़ी कार्यवाही की जाएगी। गलत कागज पास करने वालों से भी पूछताछ की जाएगी। शिक्षकों के कागजात जांचकर कार्यमुक्त करने की प्रक्रिया एक–दो दिन में पूरी कर ली जाएगी।

पूछताछ के बाद फिजियोथेरेपिस्ट को पुलिस ने छोड़ा

संवाददाता

लखनऊ। स्वास्थ्य प्रमाण पत्र प्रमाणित कराने के नाम पर शिक्षक से 35 हजार रुपये की रिश्वत लेने के मामले में पुलिस ने बुधवार को यूटर्न ले लिया है। मुकदमा दर्ज करने के बाद फिजियोथेरेपिस्ट को हिरासत में लेने वाली पुलिस ने मंगलवार देरशाम पूछताछ के बाद परिजनों को सौंप दिया। पुलिस अधिकारी इस मामले में साक्ष्य संकलन की बात कहकर पीछा छुड़ा ले रहे हैं। हालांकि प्रकरण की विभागीय जांच चल रही है।अंतर जनपदीय स्थानांतरण प्रक्रिया में भारांक हासिल के लिए बाजारशुकुल के प्राथमिक स्कूल, काजीपुर में कार्यरत मुरादाबाद निवासी शिक्षक तैय्यब खान ने पत्नी हनीफा बेगम के ह्दय रोग से ग्रसित होने के प्रमाण पत्र लगाया था। कहा गया कि बीमारी के प्रमाणपत्र का सीएमओ से काउंटर होना जरूरी है।इसी दौरान उसकी मुलाकात विभाग के फिजियोथेरेपिस्ट से हुई। उन्होंने इस काम के लिए 35 हजार रुपये लिए। बाद में उसे सीएमओ का काउंटर साइन किया प्रमाणपत्र दे दिया। विभाग ने जब इसका सत्यापन कराया तो सीएमओ ने अपना हस्ताक्षर होने से ही मना कर दिया।विभाग ने नोटिस जारी किया तो मामले का धांधली का खुलासा हुआ। मंगलवार को शिक्षक की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर फिजियोथेरेपिस्ट संतोष सिंह के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया। पुलिस ने फिजियोथेरेपिस्ट को हिरासत में ले लिया था। देरशाम को पुलिस ने परिजनों को सौंप दिया। सीओ मयंक द्विवेदी का कहना है कि प्रकरण की जांच चल रही है। साक्ष्य संकलन की कार्रवाई की जा रही है। इससे अधिक वह कुछ भी बताने को तैयार नहीं हुए।अंतर जनपदीय स्थानांतरण के लिए शिक्षकों की ओर असाध्य रोग से स्वयं या परिजनों के ग्रसित होने का प्रमाण पत्र लगाया था। असाध्य रोग प्रमाण पत्र सीएमओ से प्रतिहस्ताक्षरित कराने के नाम पर बेसिक शिक्षा विभाग में जमकर खेल हुआ। आवेदनों की जांच के बाद पांच शिक्षकों के प्रमाण पत्र फर्जी होने की पुष्टि हुई। पुष्टि के नोटिस जारी हुई तो फर्जी प्रमाण पत्र व प्रतिहस्ताक्षरित कराने का राजफाश हुआ।अंतर जनपदीय आवेदन के बाद फर्जी असाध्य रोग ग्रसित होने का प्रमाण पत्र लगाने वाले पांच में से दो शिक्षकों का तबादला भी हो चुका है। हालांकि विभाग ने दोनों शिक्षकों के रिलीविंग पर रोक लगा दी है। मामले में सचिव से मार्गदर्शन मांगा है। सचिव का निर्देश मिलने के बाद शिक्षा विभाग नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

कोर्ट के आदेश पर तीन के खिलाफ गैंगरेप का केस

लखनऊ। घर छोड़ने के नाम पर एक महिला के साथ तीन लोगों ने सामूहिक दुष्कर्म किया। हद तो तब हो गई, जब तहरीर देने के बावजूद पुलिस ने उसकी शिकायत को अनसुना कर दिया। पीड़िता न्याय की खातिर थाने से लेकर पुलिस अफसरों की चौखट तक दौड़भाग करती रही, लेकिन उसे न्याय नहीं मिला। ऐसे में पीड़िता को कोर्ट का सहारा लेना पड़ा। कोर्ट के आदेश पर तीन लोगों पर पुलिस ने महिला के साथ गैंगरेप करने का केस दर्ज करते हुए जांच शुरू कर दी है। शिवगढ़ थाना क्षेत्र के गांव की रहने वाली महिला दो मई को बैंक से पैसा निकालकर पैदल घर लौट रही थी। इसी दौरान गांव तीन लोग बाइक से आए और गांव छोड़ने की बात कही। तीनों लोग महिला को बाइक पर बैठाकर कुछ दूरी पर ले गए और उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म किया। विरोध करने पर जानमाल की धमकी दी। पीड़िता ने घटना के दूसरे दिन थाने में शिकायत की, लेकिन कार्रवाई नहीं की गई। 26 जून को पीड़िता ने पुलिस अधीक्षक को भी प्रकरण से अवगत कराया, लेकिन मामले में केस दर्ज नहीं हुआ।

सराफा कारोबारियों को रखने होंगे नोडल अधिकारी, संदिग्ध लेनदेन की केंद्रीय एजेंसी को देंगे खबर

लखनऊ। ये अधिकारी सराफा कारोबारियों के प्रत्येक लेनदेन का ब्योरा रखेंगे। उनके संदिग्ध लेनदेन की सूचना केन्द्र सरकार की एजेंसी वित्तीय सूचना इकाई (एफआईयू) को देंगे।टेरर फंडिंग और मनी लॉन्ड्रिंग पर अंकुश लगाने के लिए सराफा कारोबारियों को नोडल अधिकारी की नियुक्ति करना होगी। ये अधिकारी सराफा कारोबारियों के प्रत्येक लेनदेन का ब्योरा रखेंगे। उनके संदिग्ध लेनदेन की सूचना केन्द्र सरकार की एजेंसी वित्तीय सूचना इकाई (एफआईयू) को देंगे। एफआईयू ने तीन जुलाई को संदिग्ध लेनदेन और संदिग्ध व्यक्तियों की पहचान और रोकथाम को लेकर दिशानिर्देश जारी किए गए हैं।सोना–चांदी और कीमती रत्न जवाहरात की तस्करी पर रोक लगाने के लिए तमाम प्रयास किए जा रहे हैं। जांच एजेंसियों के मुताबिक इसकी आड़ में एक तरफ काले धन को सफेद किया जा रहा है यानी मनी लॉन्ड्रिंग हो रही है तो दूसरी तरफ आतंकी फंडिंग व आतंकी गतिविधियों में भी इसके इस्तेमाल के सुराग मिले हैं। इस पर अंकुश लगाने के लिए नए सिरे से दिशा निर्देश जारी किए हैं।सराफा कारोबार में पारदर्शिता लाने के लिए तीन चरणों का मॉडल तैयार किया गया है– शिक्षा, जागरुकता और बचाव। कारोबारियों में शिक्षा और जागरुकता के लिए अभियान चलाया जाएगा, वहीं बचाव मॉडल मेंआडिट एवं नियंत्रक महानिदेशालय की गाइडलाइंस के मुताबिक डीलरों को एंटी मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट के बारे में बताया जाएगा। डीलरों और वित्तीय खुफिया इकाइयों के बीच इंटेलीजेंस का लिंक विकसित किया जाएगा, ताकि कारोबारी लेनदेन को साझा किया जा सके।नए निर्देशों के मुताबिक जिन सराफा कारोबारियों का सालाना टर्नओवर 500 करोड़ रुपये या इससे ज्यादा है, उन्हें अनिवार्य रूप से एक नोडल अधिकारी की नियुक्ति करना होगी। ये अधिकारी एफआयू के साथ लेनदेन की जानकारी साझा करेंगे। जिन कारोबारियों का सालाना टर्नओवर 500 करोड़ रुपये से कम है, वहां एसोसिएशन या काउंसिल नोडल अधिकारी की नियुक्ति करेगी। उस नोडल अधिकारी की जिम्मेदारी कारोबारी, इंडस्ट्री काउंसिल, एसोसिएशन और एफआईयू के बीच एक सेतु की होगी। छोटे सराफा कारोबारी उस नोडल अधिकारी को कारोबारी सूचना देंगे। जिनकी जांच के बाद उसे एफआईयू को भेजा जाएगा। नोडल अफसर का राजस्व विभाग की वेबसाइट फिनगेट–2.0 और फिनगेट एप में पंजीकरण कराना होगा। संदिग्ध लेनदेन या ग्राहकों की जानकारी फिनगेट–2.0 साफ्टवेयर और मोबाइल एप के जरिए ही एफआईयू को देनी होगी। सराफा कारोबारियों की जिम्मेदारी होगी कि किसी भी कर्मचारी की नियुक्ति से पहले अच्छी तरह पड़ताल कर लें। ग्राहक की पहचान और संदिग्ध लेनदेन की सूचना तत्काल दें। हीरा, रत्न, सोना–चांदी के कारोबारी अपने अपने क्षेत्र के हिसाब से प्रत्येक कर्मचारी को प्रशिक्षित करेंगे। इससे पहले एफआईयू में डीलरों को पंजीकरण कराना होगा।

हर चीज से वाकिफ थे बदमाश, 23 मिनट में वारदातय पता था वसीम नमाज पढ़ने जाते हैं

संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ के शक्तिनगर में एफएम अपार्टमेंट के फ्लैट में नफीस की हत्या के बाद लूट की वारदात रेकी कर अंजाम दी गई। बदमाशों के पास दंपती के बारे में पूरी जानकारी थी। महज 23 मिनट के भीतर बदमाश वारदात अंजाम देकर फरार हो गए। सीसीटीवी फुटेज के जरिये इसकी पुष्टि हुई। लखनऊ के शक्तिनगर इलाके में बुधवार को दिनदहाड़े एफएम अपार्टमेंट के फ्लैट नं. 404 में बुजुर्ग महिला की हत्या के बाद बदमाशों को भागता देख पैथोलॉजी के एजेंट के शोर मचाने के बाद लोगों ने बदमाशों को पकड़ने की कोशिश की थी। पर, वे नाकाम रहे। एक बदमाश मेन गेट से भागा जबकि अन्य दो बाउंड्रीवॉल कूदकर भाग निकले।लखनऊ के शक्तिनगर में एफएम अपार्टमेंट के फ्लैट में नफीस की हत्या के बाद लूट की वारदात रेकी कर अंजाम दी गई। बदमाशों के पास दंपती के बारे में पूरी जानकारी थी। महज 23 मिनट के भीतर बदमाश वारदात अंजाम देकर फरार हो गए। सीसीटीवी फुटेज के जरिये इसकी पुष्टि हुई। अब तक की जांच में शक है कि दंपती का कोई करीबी वारदात का मास्टरमाइंड है। आठ टीमें खुलासे के लिए लगाई गई हैं। सर्विलांस टीम संदिग्ध नंबर चिह्नित कर रही है। डीसीपी उत्तरी एसएम कासिम आब्दी के मुताबिक, सीसीटीवी फुटेज से पता चला कि दोपहर 1रू22 बजे तीनों बदमाश मेनगेट से अपार्टमेंट परिसर में दाखिल हुए। सीधे चौथी मंजिल पर स्थित नफीस के फ्लैट नंबर 404 के बाहर पहुंचे। दरवाजा खुलवाया और भीतर घुस गए। दोपहर 1रू45 बजे बदमाश परिसर से बाहर आए। मतलब 23 मिनट में घटना अंजाम दी। जिस तरह से वारदात की गई, उससे आशंका है कि बदमाशों के पास नफीस को लेकर पूरी जानकारी थी। पता था कि घर पर अकेली नफीस ही हैं। यही वजह कि उनके किसी नजदीकी के शामिल होने की आशंका है।नफीस के पति वसीम वारदात के वक्त नमाज पढ़ने गए थे। उन्होंने बताया कि वह दोपहर में रोजाना नमाज पढ़ने जाते हैं। बदमाशों को ये भी जानकारी थी। इसलिए वह उसी दौरान वारदात को अंजाम दिया जब वसीम फ्लैट पर नहीं थे।अपार्टमेंट में दो गार्ड ड्यूटी पर रहते हैं। एक दिन में और एक रात में। इस दौरान दिन की ड्यूटी में शाबान तैनात थे। उन्होंने बताया कि आमतौर पर जो भी अपार्टमेंट में आता है, उसका नाम, पता आदि दर्ज किया जाता है। चूंकि जिस तरह ये बदमाश भीतर गए, उस वक्त वह मोटर चलाने गया था। गेट पर जब वह नहीं था तब बदमाश भीतर घुसे। ये इत्तेफाक है या साजिश का हिस्सा। पुलिस इस पहलू की तफ्तीश कर रही है।वसीम ने बताया कि अयोध्या निवासी जितेंद्र सिंह उनका ड्राइवर था। करीब बीस दिन पहले उसे नौकरी से निकाल दिया था। उससे कुछ कहासुनी हुई थी। वसीम ने ड्राइवर पर शक जाहिर किया। वहीं, ब्लड सैंपल लेने पहुंचे पैथालॉजी का एजेंट, सुरक्षाकर्मी रडार पर हैं। कुछ ऐसे भी लोग हैं, जिनका वसीम के घर आनाजाना रहा है, वह भी शक के दायरे में हैं।जिस तरह से बदमाशों ने दिनदहाड़े वारदात को अंजाम दिया, उससे अपार्टमेंट में रहने वाले परिवार दहशत में हैं। कुछ लोगों का कहना है कि ऐसा कभी नहीं हुआ। ये तो हैरान करने वाला है कि दिन के उजाले में एक की हत्या कर लूटपाट कर दी गई। इससे पुलिस सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल खड़े होते हैं।पुलिस सीसीटीवी कैमरों से बदमाशों के फरार होने का रूट पता कर रही है। डीसीपी ने बताया कि अब तक जितने फुटेज देखे गए हैं, उससे यही पता चला है कि बदमाश पैदल आए और पैदल ही फरार हुए। आगे के फुटेज देखे जा रहे हैं। ऐसा तो नहीं कि कहीं दूर कोई वाहन खड़ा किया हो। ये भी देखा जा रहा है कि इन तीनों के अलावा भी बदमाश शामिल हैं।

सूरत व मुंबई का सफर होगा आसान, कल पहुंचेगी स्पेशल ट्रेन

लखनऊ। सूरत व मुंबई की यात्रा करने वालों के लिए राहत भरी खबर है। रेलवे ने एक जोड़ी स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया है। यह ट्रेन शुक्रवार को अमेठी पहुंचेगी। यही ट्रेन दोबारा रवाना होगी।सूरत व मुंबई में नौकरी व व्यवसाय करने वालों को अक्सर यहां आने–जाने में असुविधा होती है। मुंबई के लिए उद्योग नगरी (प्रतापगढ़ से लोकमान्य तिलक टर्मिनल) है। इस ट्रेन से लोग मुंबई की यात्रा तो किसी तरह कर लेते थे लेकिन सूरत के लिए सीधे जिले से गुजरने वाले ट्रैक पर एक भी ट्रेन नहीं थी। ऐसे में सूरत के साथ मुंबई की यात्रा करने वाले यात्रियों को लखनऊ या प्रयागराज जंक्शन से ट्रेन पकड़ने को मजबूर होना पड़ता है।यात्रियों की परेशानी को रेलवे ने विशेष ट्रेन संचालित करने का निर्णय लिया है। ट्रेन प्रत्येक शुक्रवार को वाराणसी से अपराह्न 2:30 बजे रवाना होकर भदोही, जंघई, प्रतापगढ़ होते हुए शुक्रवार की शाम 5:48 बजे अमेठी पहुंचेगी। यहां पर दो मिनट का ठहराव होने के बाद रायबरेली, लखनऊ, कानपुर, कन्नौज, फर्रुखाबाद, भोगांव, मैनपुरी, शिकोहाबाद, टूंडला, आगरा, अछनेरा, भरतपुर, गंगापुर सिटी, सवाई माधोपुर, कोटा, रतलाम, बड़ोदरा, सूरत, वापी, बोरीवली होते हुए रविवार भोर 4:35 बजे मुंबई सेंट्रल रेलवे स्टेशन पहुंचेगी। इसी तरह वापसी में बुधवार को मुंबई सेंट्रल से रात 10:50 बजे रवाना होकर शुक्रवार सुबह 5:46 बजे अमेठी में ठहराव के साथ 10:30 बजे वाराणसी पहुंचेगी। मुंबई–वाराणसी स्पेशल ट्रेन संचालित होने के बाद यात्रियों को सूरत व मुंबई जाने के लिए लखनऊ या प्रयागराज रेलवे स्टेशन की परिक्रमा करने से निजात मिलेगी। ट्रेन का ठहराव अमेठी स्टेशन के साथ ट्रैक के विभिन्न स्टेशनों पर होगा। ऐसे में जिले के साथ ट्रैक के यात्रियों को सूरत व मुंबई के लिए सीधे ट्रेन की सुविधा मिलने से यात्रा में सहूलियत मिलेगी। यात्री ट्रेन में आरक्षित टिकट की बुकिंग कर अपनी यात्रा को सुगम बना सकते हैं।

सावन में तीर्थयात्रियों को 7 ज्योतिर्लिंग के दर्शन कराएगा रेलवे, इस तरह से करें बुकिंग

संवाददाता

लखनऊ। भारतीय रेलवे का आईआरसीटीसी सावन के महीने में देश के सात ज्योतिर्लिंगों का दर्शन कराएगा। 27 जुलाई से आप यात्राएं कर सकते हैं। जानिए इसके टिकट किस तरह से बुक कर सकते हैं। सावन में तीर्थयात्रियों को सात ज्योतिर्लिंगों के दर्शन आईआरसीटीसी द्वारा कराए जाएंगे। इसको लेकर बुधवार को पैकेज लॉन्च किया गया है। 27 जुलाई से यात्रा शुरू होगी, जो पांच अगस्त तक चलती रहेगी। पैसेंजर 917 रुपये की आसान ईएमआई पर यात्रा कर सकते हैं।भारतीय रेलवे खानपान एवं पर्यटन निगम(आईआरसीटीसी) के मुख्य क्षेत्रीय प्रबंधक अजीत कुमार सिन्हा ने बताया कि गोरखपुर रेलवे स्टेशन से भारत गौरव पर्यटक ट्रेन द्वारा सात ज्योतिर्लिंग दर्शन यात्रा का संचालन किया जा रहा है।इस यात्रा में ओंकारेश्वर, महाकालेश्वर, सोमनाथ, भेंट द्वारका, द्वारकाधीश मंदिर, नागेश्वर, त्रयंबकेश्वर, घृष्णेश्वर और भीमाशंकर ज्योतिर्लिंग के दर्शन कराए जाएंगे। ट्रेन में बैठने की सुविधा गोरखपुर के अतिरिक्त लखनऊ, योगनगरी ऋषिकेश, हरिद्वार, मुरादाबाद, बरेली, शाहजहांपुर, हरदोई, कानपुर, उरई, वीरांगना लक्ष्मीबाई एवं ललितपुर स्टेशन से रहेगी। 27 से शुरू होने वाली यात्रा पांच अगस्त को समाप्त होगी। नाश्ता एवं दोपहर तथा रात का शाकाहारी भोजन, एसीध्नान एसी बसों द्वारा स्थानीय भ्रमण शामिल है। ट्रेन में कुल 767 सीटें रहेंगी। इसमें 49 सेकेंड एसी, 70 थर्ड एसी व 648 स्लीपर क्लास की सीटें शामिल हैं। स्लीपर में प्रतिव्यक्ति किराया 18925 रुपये, थर्ड एसी में 31769 रुपये तथा सेकेंड एसी में 42163 रुपये प्रतिव्यक्ति है। पैकेज का भुगतान ईएमआई पर भी किया जा सकता है। 917 रुपये प्रतिमाह की किश्त है। पैकेज की बुकिंग बेवसाइट www-irctctourism-com व 8287930913/08/06/02 नंबरों पर की जा सकती है।

पुलिस से भागते समय नहर में गिरकर युवक की मौत

संवाददाता

लखनऊ। अमेठी में गैर इरादतन हत्या का आरोपी युवक पुलिस से भागते समय नहर में गिरकर मर गया। इस पर परिजनों ने हंगामा करते हुए पुलिसकर्मियों पर सवाल उठाए हैं।गैर इरादतन हत्या के मामले में पुलिस की दबिश के दौरान भागते समय आरोपी नहर में गिर गया। इससे उसकी मौत हो गई। पुलिस मामले की जांच कर रही है। वहीं परिजनों ने पुलिस पर कई गंभीर आरोप लगाए हैं।बाराबंकी जिले के सुबेहा थाना क्षेत्र के महुआतारे निवासी राजेश कुमार एक गैर इरादतन हत्या के मामले में वांछित था। वह बुधवार को अमेठी स्थित कमरौली थाना क्षेत्र के पलिया पश्चिम में ससुराल आया था। इसकी जानकारी होने के बाद बृहस्पतिवार की सुबह सुबेहा थाने की पुलिस वहां पहुंच गई।पुलिस ने उसके ससुराल में पूछताछ की तो पता चला कि वह शौच के लिए गया हुआ है। इस पर पुलिस ने नहर पुलिया के पास पहुंचकर उसे पकड़ने के लिए दौड़ाया। भागते समय वह कुछ दूरी पर नहर के पानी में गिर कर बेहोश हो गया उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र जगदीशपुर में इलाज के लिए लाया गया। चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।सीओ हैदरगढ़ जेएन अस्थाना ने इसकी पुष्टि की है। घटना की जानकारी होते ही दो जिलों की पुलिस मौके पर पहुंच गई। अस्पताल परिसर में पुलिस तैनात कर दी गई है। ससुरालीजनों ने पुलिस पर पिटाई का आरोप लगाया है। फिलहाल, अभी कोई लिखित तहरीर पुलिस को नहीं दी गई है।

स्वास्थ्य कर्मियों के हक में फैसला, समान ग्रेड पे देने का आदेशय जज बोले- सरकार नहीं कर सकती भेदभाव

संवाददाता

लखनऊ। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने स्वास्थ्य कर्मियों को 2800 रुपये का समान ग्रेड पे देने का आदेश दिया गया है। लखनऊ पीठ ने कहा कि सरकार तैनाती तिथि के आधार पर वेतन में विभेद नहीं कर सकती है।इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने प्रदेश में कार्यरत स्वास्थ्य कर्मियों (महिला और पुरुष) के वेतन मामले में अहम फैसला सुनाया है। न्यायमूर्ति दिनेश कुमार सिंह की एकल पीठ ने कहा कि राज्य सरकार तैनाती तिथि के आधार पर समान स्वास्थ्य कर्मियों के वेतन में विभेद नहीं कर सकती है। राज्य सरकार याचिका दायर करने वाले स्वास्थ्य कर्मियों को 2,800 रुपये का समान ग्रेड पे प्रदान करे। कोर्ट ने यह आदेश कमल दीप निराला समेत 11 स्वास्थ्य कर्मियों की याचिका मंजूर करते हुए दिया।याचियों के वकील संजय मिश्र का कहना था कि एक दिसंबर 2011 के पहले और इसके बाद नियुक्त स्वास्थ्य कर्मियों को 5200–20,200 रुपये का वेतनमान समान दिया जा रहा है। सिर्फ उनके ग्रेड पे के निर्धारण में अंतर किया गया है। याचियों को 2,000 रुपये का ग्रेड पे दिया जा रहा है। जबकि एक दिसंबर 2011 तक के बाद नियुक्त स्वास्थ्य कर्मियों को 2,800 रुपये का ग्रेड पे दिया जा रहा है। ऐसे में उनकी नियुक्ति की तिथि के आधार पर किया जा रहा यह अंतर संविधान के समानता के अधिकार के तहत अनुचित है। लिहाजा याचिकाकर्ता भी 2,800 रुपये का ग्रेड पे पाने के हकदार हैं।वहीं, सरकारी वकील ने कहा कि ग्रेड पे में यह अंतर 19 दिसंबर 2011 के शासनादेश के तहत है। जब कोर्ट ने यह अंतर करने का कारण पूछा तो सरकारी वकील ने कहा कि शासनादेश में इसका कोई कारण नहीं दिया गया है।कोर्ट ने कहा कि शासनादेश, समानता के प्रावधान का उल्लंघन करता है। सरकार समान रूप से कार्यरत स्वास्थ्य कर्मियों के वेतन भुगतान मामले में महज उनकी तैनाती की तिथियों के आधार पर विभेद नहीं कर सकती है।

एकदिवसीय दौरे पर जौनपुर पहुँचे दिव्य प्रेम सेवा मिशन के संस्थापक डॉ0 आशीष गौतम भैया जी

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। दिव्य प्रेम सेवा मिशन हरिद्वार के संस्थापक अध्यक्ष डॉ आशीष गौतम भैया जी अपने एकदिवसीय दौरे पर जौनपुर पहुँचे। जौनपुर पहुँचने पर सेवा मिशन के जिलाध्यक्ष राकेश कुमार श्रीवास्तव, संयोजक संजय सिंह ने अपनी टीम के साथ आशीष भैया का भव्य स्वागत अभिनंदन किया। पूर्व विधायक जफराबाद हरेंद्र सिंह के पुत्र डॉ० हर्षित विक्रम सिंह के आकस्मिक निधन के उपरांत ग्राम सहमलपुर स्थित निवास पर पहुंचकर आशीष भैया ने उनके छायाचित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धासुमन अर्पित किया एवं शोक संतप्त परिजनों से भेंटकर शोक संवेदनाएं व्यक्त की। इसके उपरांत ग्राम बिरमपुर में अरुण सिंह के आवास व त्रिलोचन में बैठक की गई। बैठक के शुरुआत में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक रहे शत्रु जी ने आशीष भैया के जीवनी पर प्रकाश डाला और उपस्तिथ लोगो को उनके जीवन से प्रेरित किया। आशीष भैया ने बैठक कर मिशन परिवार हरिद्वार द्वारा संचालित माँ गंगा भोजनालय (कुष्ट रोगियों, असहाय व जरूरतमन्दों का भोजनालय) के लिए 200 क्विंटल से अधिक प्राप्त अनाज के लिए सभी को धन्यवाद दिया व आभार व्यक्त किया। बैठक को संबोधित करते हुए आशीष भैया ने दिव्य प्रेम सेवा मिशन, हरिद्वार के सेवा प्रकल्पों को समर्पित आगामी कार्यक्रम 26 से 31अक्टूबर 2023 छत्रपति शिवाजी महाराज के जीवन पर आधारित जाणता राजा (विश्व का सबसे बड़ा ऐतिहासिक महानाट्य) के संदर्भ में सभी को बताया एवं विचार विमर्श किया। सेवा

मिशन के सदस्यों के साथ त्रिलोचन स्तिथ महादेव मंदिर में जलाभिषेक कर शिव जी की पूजा अर्चना की गयी। इस अवसर पर काशी अंचल के संयोजक डॉ नंदलाल सिंह, सुभाष अग्रहरि, संजय अस्थाना, श्यामरतन श्रीवास्तव, इन्द्रपाल सिंह टेढई, काशी इकाई के अध्यक्ष श्रीप्रकाश सिंह, अजय सिंह, काशी अंचल युवा शक्ति ग्रामीण संयोजक विशाल सिंह, धनन्जय सिंह, पवन सिंह, सुरेश सिंह, अनिल, राजेश, सुरेश पाल, संदीप श्रीवास्तव समेत मिशन परिवार के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

ई रिक्शा,दो पहिया व चार पहिया बन रहे शहर में जाम की मुख्य समस्या

मार्च 22 से जून 23 के बीच 53570 छोटे बड़े वाहन आरटीओ में पंजीकृत - एआरटीओ प्रशासन
रुट निर्धारण का पालन कराने को लेकर बीच बीच में चलता है अभियान - सीओ यातायात

अयोध्या।(राजेश श्रीवास्तव)। राम पथ के अलावा शहर के प्रमुख मार्गों व कालोनियों के साथ साथ मुहल्लों में सीवर लाइन बिछाने के कार्य के चलते शहर में जाम की समस्या गंभीर बनी हुई है।ऊपर से लगातार शहर में दो पहिया से लेकर चार पहिया वाहन व ई रिक्शा की काफी संख्या में संचालन भी जाम बढ़ने का प्रमुख कारण बन रहा है।शहर में जाम लगने का मुख्य कारण ई रिक्शा है।यहां पर पैदल चलना तो मुश्किल ही है ऊपर से ई रिक्शों में वृद्धि के चलते शहर के मुख्य चौराहों, मार्गों के अलावा गलियों में घंटों जाम लगा रहता है।सम्भागीय परिवहन अधिकारी कार्यालय अयोध्या में हर वर्ष भारी संख्या में दो पहिया वाहन,कार,जीप, ट्रैक्टर, हल्के व भारी वाहन के साथ साथ ई रिक्शों का पंजीकरण भारी संख्या में हो रहा है।परिवहन विभाग लगातार इन वाहनों का पंजीकरण रुट का निर्धारण तो कर देता है।परंतु परिवहन विभाग के अधिकारियों के मुताबिक रुट निर्धारण का पालन यातायात विभाग द्वारा नहीं कराने के चलते इस समय जाम की स्थिति उत्पन्न हुई

है।सहायक परिवहन अधिकारी (प्रशासन) अयोध्या आर पी सिंह ने बताया कि पिछले वर्ष मार्च 2022 से जून 2023 तक कुल 53570 व्यावसायिक वाहनों,दो पहिया वाहनों, हल्के वाहनों, ट्रैक्टरों व ई रिक्शा का पंजीकरण वाहन स्वामियों ने इस कार्यालय पर कराया है।उन्होंने बताया कि जिसमें 4931 व्यवसायिक वाहन,37263 दो पहिया वाहन,2733 कार–जीप,1503 ट्रैक्टर व 7140 ई रिक्शा का पंजीकरण शामिल हैं।सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रशासन) आर पी सिंह ने बताया कि ई रिक्शा पंजीकरण में 4818 मे इस समय फिट है तथा 2322 ई रिक्शा चालक अनफिट है।उन्होंने बताया कि परिवहन विभाग द्वारा ई रिक्शों का फिटनेस दो वर्षों का होता है।उन्होंने बताया कि जितने भी टैम्पो,मैजिक का पंजीकरण परिवहन विभाग में होता है उसका रुट निर्धारण भी परिवहन विभाग करता है।

जिसका पालन कराना पुलिस व यातायात विभाग का विभाग का होता है।शहर को जाम से निजात दिलाने के लिए यातायात पुलिस,नगर निगम,पुलिस विभाग के अधिकारियों के साथ संयुक्त बैठक की जाती है।इसके अलावा उन्होंने ई रिक्शा स्वामियों से कहा कि लाइसेंस वाले ही चालक ई रिक्शा चालक चलाये।इस संबंध में सीओ यातायात प्रमोद कुमार यादव ने बताया कि बीच बीच में रुट मार्गों की अनदेखी करने वाले वाहन चालकों पर यातायात पुलिस द्वारा शिकंजा कसने का काम किया जाता है।वही वाहन चेकिंग के दौरान जो वाहन चालक यातायात नियम का पालन करते हुये नहीं दिखाई देते हैं तो उनके विरुद्ध विभागीय कार्रवाई की जाती है।

शिद्दत से याद किए गए छात्र संघ के पूर्व अध्यक्ष स्वर्गीय ठाकुर प्रसाद वर्मा

अयोध्या।शुक्रवार को साकेत कालेज के छात्र संघ के पूर्व अध्यक्ष स्वर्गीय ठाकुर प्रसाद वर्मा जी की 17वीं पुण्यतिथि के अवसर पर छात्र संघ भवन पर छात्र छात्राओं एवं छात्र संघ के पदाधिकारियों ने पहुंचकर उनकी प्रतिमा पर पुष्प चढ़ाकर श्रद्धासुमन अर्पित किया। तत्पश्चात छात्रसंघ भवन सभागार में उनके कृतित्व एवं व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला गया। वक्ताओं ने उनको एक कर्मठ, निडर एवं छात्र हितों के लिए सदैव समर्पित रहने वाला छात्र नेता बताया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे छात्र संघ के पूर्व अध्यक्ष श्री संजय यादव ने बताया कि छात्र राजनीति में स्वर्गीय ठाकुर प्रसाद वर्मा जी के योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। स्व0 वर्मा का हम लोगों के बीच में ना रहना छात्र राजनीति के लिए अपूर्णनीय छति है।श्रद्धांजलि कार्यक्रम के अवसर पर स्वर्गीय ठाकुर प्रसाद वर्मा जी की पत्नी डॉ चंदा वर्मा जी मौजूद रही और उन्होंने पुष्प अर्पित करते हुए कहा कि वो हमारे ऊपर जो जिम्मेदारी छोड़ गए हैं। उसे हम पूरा करने का कार्य करेंगे। कार्यक्रम में मुख्य से छात्र नेता संतोष वर्मा, उमा शंकर वर्मा पूर्व मंत्री, अधिवक्ता अजय यादव, ग्राम प्रधान विनय वर्मा, छात्र नेता विवेक पटेल, पत्रकार वासुदेव यादव सहित सैकड़ों छात्र–छात्राएं सहित बहुत से गणमान्य लोग मौजूद रहे।कार्यक्रम का आयोजन और संचालन वरिष्ठ नेता एवं शिक्षक अरुण प्रकाश वर्मा बबलू ने किया। जिसका आयोजन लगातार 17 वर्षों से अरुण प्रकाश वर्मा द्वारा अनवरत किया जाता रहा है।

अयोध्या को सोलर सिटी के रुप में विकसित करना नवागत पीडी नेडा पी एन सिंह की प्रमुख प्राथमिकता

अयोध्या। नवागत परियोजना निदेशक नेडा पी एन पांडेय गुरुवार को अपना कार्यभार संभाला।शासन

के मंशानुरूप अधिक से अधिक सरकारी कार्यालयों को सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए सभी सरकारी विभाग के भवनों पर निजी खर्च पर सोलर पैनल लगाने का कार्य करेगा।उन्होंने बताया कि आने वाले दिनों में सौर ऊर्जा के प्रति बढ़ावा देने में विभाग कोई कोर कसर नहीं छोड़ना चाहता।उन्होंने बताया कि शासन द्वारा अयोध्या का चयन सोलर सिटी के रुप में हुआ है।जिसका विकास करना उनकी प्रमुख प्राथमिकता है।नवागत परियोजना निदेशक नेडा पी एन सिंह ने बताया कि अयोध्या शहर में चिन्हित सभी सरकारी विल्डिंग के ऊपर स्वयं खर्च पर सोलर प्लांट लगाने का कार्य किया जायेगा।उन्होंने बताया कि सोलर प्लांट के उपयोग से इन सरकारी भवनों में होने वाले बिजली के बिलो में भी कमी आयेगी।वही सोलर से बिजली पंखे आदि का उपयोग किया जा सकेगा। उन्होंने बताया कि जिस भी सरकारी विभाग में सोलर पैनल लगना हो उनसे संबंधित कर्मी नेडा विभाग से सम्पर्क कर इस योजना का लाभ उठा सकते हैं।

अपोलोमेडिक्स हॉस्पिटल ने 100 सफल ऑर्गन ट्रांसप्लांट पूरे कर महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की

– जागरूकता के अभाव में प्रत्यारोपण की आवश्यकता वाले रोगियों में से 5 फीसदी से भी कम को मिल पाते हैं आवश्यक अंग

– अंग दान के विषय में जागरूकता बढ़ाना बेहद महत्वपूर्ण, ताकि ट्रांसप्लांट के लिए आवश्यक अंगों की जरूरत और उपलब्ध अंगों की संख्या के बीच अंतर को खत्म किया जा सके

मृत्युंजय प्रताप सिंह की रिपोर्ट

लखनऊ। उत्तर प्रदेश और आसपास के क्षेत्रों के अल्ट्रामॉडर्न मेडिकल फैसिलिटी से इलाज

उपलब्ध कराने में अग्रणी, अपोलोमेडिक्स हॉस्पिटल्स लखनऊ ने 100 सफल ऑर्गन ट्रांसप्लांट करने की बड़ी उपलब्धि हासिल की है। यह उपलब्धि अपोलोमेडिक्स हॉस्पिटल द्वारा उत्कृष्ट चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के प्रति उनके समर्पण का प्रमाण है। अपोलोमेडिक्स हॉस्पिटल लखनऊ इस क्षेत्र का एकमात्र ऐसा प्रतिष्ठित निजी अस्पताल है, जहां कैडवेरिक (मृत शरीर से मिलने वाले) लिवर और किडनी ट्रांसप्लांट की सुविधा उपलब्ध है। अपोलोमेडिक्स अस्पताल लखनऊ के नेफ्रोलॉजी और किडनी ट्रांसप्लांट के एचओडी डॉ. अमित गुप्ता ने प्रत्यारोपण के लिए पर्याप्त अंग उपलब्ध न होने की समस्या को हल करने के लिए अंग दान के प्रति जागरूकता बढ़ाने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि प्रत्यारोपण की आवश्यकता वाले रोगियों की संख्या और उपलब्ध अंगों की संख्या के बीच एक बड़ा अंतर है। हाल के आँकड़े बताते हैं कि प्रत्यारोपण के लिए आवश्यक 5 प्रतिशत से भी कम अंग उपलब्ध हैं। भारत में, लगभग 220,000 रोगियों को किडनी प्रत्यारोपण की आवश्यकता होती है, लेकिन हर साल केवल 9,500 किडनी प्रत्यारोपण हो पाते हैं। इनमें से कई मरीजों की उपयुक्त किडनी डोनर की प्रतीक्षा में मृत्यु हो जाती है। ब्रेन डेथ के बारे में जागरूकता की कमी, धार्मिक अंधविश्वास और प्रत्यारोपण केंद्रों की कमी जैसे कई कारक देश में अंग दान कार्यक्रम पर नकारात्मक प्रभाव डाल रहे हैं। अंगों की कमी को दूर करने और प्रत्यारोपण की प्रतीक्षा कर रहे रोगियों को आशा देने के लिए कैडवेरिक ट्रांसप्लांट एक महत्वपूर्ण कदम है। नई दिल्ली स्थित इंद्रप्रस्थ अपोलो अस्पताल के लीवर प्रत्यारोपण विशेषज्ञ डॉ. नीरव गोयल ने बताया अपोलो हॉस्पिटल में सर्वाधिक कुशल सर्जन और डॉक्टर्स उपलब्ध हैं, दुनिया भर में उपलब्ध सर्वश्रेष्ठ चिकित्सा सुविधा के बराबर उत्कृष्ट सुविधाएं उपलब्ध हैं और सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि रोगियों को अपोलो पर पूरा भरोसा है। हमने 50 विभिन्न देशों के मरीजों का सफलतापूर्वक लिवर प्रत्यारोपण किया है। भारत में लिवर की बीमारियाँ एक बड़ी समस्या हैं, 2021 में पूरे विश्व में होने वाली मौतों में लिवर रोग 18.3 फीसदी मौतों के लिए जिम्मेदार है। अपोलोमेडिक्स हॉस्पिटल लखनऊ 100 सफल अंग प्रत्यारोपण सर्जरी करने की एक बड़ी उपलब्धि के साथ लोगों को अंग दान के बारे में जागरूक के रहा है। अस्पताल मृत्यु के बाद अंग दान करने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए प्रयास कर रहा हैं। इससे अंग प्रत्यारोपण के जरूरतमंद लोगों की बहुत मदद होगी और यह उन्हें अपने नई जीवन की शुरुआत की उम्मीद देगा।

बाइक ने ई रिक्शा को मारी टक्कर,चालक घायल

अयोध्या।(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता) नगर कोतवाली क्षेत्र में गुरुवार की दूसरी पहर एक बाइक ने एक ई रिक्शा को टक्कर मार दी। हादसे में ई रिक्शा चालक घायल हो गया , जिसको उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

बताया गया कि 42 वर्षीय नईम पुत्र स्वर्गीय अब्दुल्ला निवासी वजीरगंज चेला छावनी कोतवाली नगर ई रिक्शा चलाता है। वह अपने ई रिक्शा के साथ वजीरगंज छावनी मोड़ के पास खड़ा था कि इसी दौरान एक अपाचे मोटरसाइकिल ने खड़े ई रिक्शा में टक्कर मार दी। मौके पर मौजूद महफूज ने 3रू30 बजे घायल ई रिक्शा चालक को घायल अवस्था में जिला चिकित्सालय पहुंचाया तो चिकित्सक ने भर्ती कर उपचार शुरू कर दिया है।

विशाल की हत्या नही हैंगिंग से हुई थी मौत पुलिस ने पीएम रिपोर्ट का किया खुलासा

अयोध्या।(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता) नंन्सा बाजार में विशाल कसौधन नामक व्यवसायी की मौत साथी द्वारा गला घोंटने से नही फांसी के फंदे से झूलकर हुई थी।मुकामी पुलिस ने मृतक की पोस्मार्टम रिपोर्ट में मौत का कारण हैंगिंग बताया हैं।बता दें कि कि तारुन थाना क्षेत्र के नंन्सा बाजार में मंगलवार की रात किराये के मकान में फांसी के फंदे से झूलते रामपुर भगन निवासी युवा व्यवसायी विशाल कसौधन की लाश मिली थी। दूसरे दिन कूड़ा फेकने गये मृतक के बारह वर्षीय साले अरुण कुमार ने जीजा की गमझे से लटकती लाश देख सूचना बाजार के अगल बगल के दुकानदारों के अलावा अपने परिजनों को दी थी। विशाल कसौधन की मौत मामले में मृतक की पत्नी रोली व सास आशा गुप्ता ने हत्त्या कर लाश लटकाने का आरोप बाद में गांव निवासी युवक पर लगाया था। जो मृतक का दोस्त था।लेकिन मुकामी पुलिस को कोई शिकायती प्रार्थना पत्र मृतक परिजनों ने नही दिया था। मृतक परिवार के आरोपो को पोस्टमार्टम रिपोर्ट ने खारिज कर मौत हैंगिंग से होने की पुष्टि की है। मामले में एक व्यकित को पुलिस ने पूछताछ के सिलसिले में हिरासत में लिया था लेकिन पीएम रिपोर्ट मिलने के बाद उसे छोड़ दिया।मृतक परिजन विशाल की हत्त्या का आरोप इस लिए लगा रहे थे कि उसके दोनों पैर मौत के बाद जमीन से सटे थे। पीड़ित का आरोप था कि उन्होंने एक युवक के साथ देर रात तक शराब पी थी। थाना प्रभारी निरीक्षक अशोक कुमार यादव ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत का कारण हैंगिग आने से पीड़ित परिजनों का युवक की हत्त्या किये जाने का आरोप निराधार निकला।हालाकी पुलिस ने मामले में कोई शिकायती पत्र मिलने से इंकार किया है।

तहसीलदार मिल्कीपुर पवन कुमार गुप्ता ने कार्यभार किया ग्रहण

अयोध्या।(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता) तहसीलदार मिल्कीपुर पवन कुमार गुप्ता ने कार्यभार ग्रहण करने के बाद तहसील क्षेत्र के पैरा लीगल वालंटियर सदस्यों की ली मीटिंग, मीटिंग के दौरान तहसील क्षेत्र से आए पैरा लीगल वालंटियरों से पूछा कि लोक अदालत किस तारीख को जिला मुख्यालय पर होनी है, तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सेवा के सचिव कौन हैं तो कोई भी वालंटियर नहीं बता सका।जिस पर तहसीलदार ने नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि तहसील स्तरीय विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन 16 जुलाई को तहसील सभागार में किया जाना है, जिसमें सभी पैरा लीगल वालंटियरों तहसील क्षेत्र के प्रत्येक ग्राम सभाओं से महिलाओं की शत–प्रतिशत उपस्थिति कराना अनिवार्य है।

आरोपी बरी, वादी के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने का आदेश

अयोध्या।विशेष न्यायाधीश एससी एसटी की कोर्ट ने दलित उत्पीड़न से जुड़े एक मामले में गवाही झूठी पाए जाने पर मारपीट व दलित एक्ट के आरोपियों को दोषमुक्त करार देते हुए बरी कर दिया। साथ ही वादी मुकदमा के खिलाफ अदालत में झूठी गवाही देने पर केस दर्ज करने का आदेश दिया है। साथ ही कोर्ट ने सरकार की ओर से वादी मुकदमा को दी गयी अनुदान राशि की वसूली के लिए भी निर्णय की एक प्रति जिला मजिस्ट्रेट को भी भेजी है। यह आदेश विशेष न्यायाधीश एससी एसटी एक्ट राकेश कुमार की अदालत ने किया।एससी एसटी एक्ट के विशेष लोक अभियोजक नरसिंह नारायण उपाध्याय व लालमणि तिवारी ने बताया कि दो दिसंबर 2014 की रात 10 बजे इनायत नगर थाना क्षेत्र के कहुआ गांव निवासी परशुराम की भैंस खूंटा तोड़कर गांव के रामकिशोर के दरवाजे पर लगी क्यारी में चली गई थी। आरोप है कि विरोधी पक्ष की तरफ से सत्य प्रकाश, बृजेश, जयप्रकाश, सुभाष व हरिश्चंद्र ने इस पर परशुराम को जाति सूचक गालियां देने के साथ ही उसे लाठी डंडे से पीटा।तहरीर के आधार पर पुलिस ने मारपीट तथा दलित उत्पीड़न अधिनियम में केस दर्ज कर दोषियों पर कार्रवाई तय की। लेकिन अदालत में सुनवाई के दौरान वादी मुकदमा ने झूठी गवाही दे डाली। कहा कि चोट मारने पीटने से नहीं बल्कि भैंस के रस्सी में फंस जाने के कारण आई हैं। इससे कोर्ट ने सभी आरोपियों को दोष मुक्त कर दिया लेकिन वादी के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने का आदेश दिया है।

अयोध्या हाईवे की मरम्मत 450 करोड़ से की जाएगी

अयोध्या।अयोध्या हाईवे की मरम्मत और सुंदरीकरण के लिए एनएचएआई ने 450 करोड़ रुपये का प्रस्ताव तैयार किया है। बजट को मंजूरी मिलते ही टूटे डिवाइडर ठीक किए जाएंगे और सड़क पर डामर की मजबूत मोटी सतह बिछाई जाएगी।अयोध्या रोड कमता, चिनहट, मटियारी चौराहा, तिवारीगंज सहित कई जगह पर काफी जर्जर है, जिससे वाहन चालकों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है और कई बार दुर्घटना भी हो जाती है। इस पूरे हाईवे पर ट्रैफिक का हर तरफ से आना–जाना है। इसमें पैदल चलने वाले लोग भी शामिल है, जो आसपास के गांवों और कस्बों से आते हैं। इसलिए यहां सर्विस लेन को नालों के साथ बनाने का फैसला किया गया है।गौरतलब है कि एनएचएआई ने पहले अयोध्या हाईवे को चार से छह लेन बनाने का प्रस्ताव तैयार किया था।लेकिन बजट को मंजूरी नहीं मिली।

रजत कॉलेज की छात्रा रोहिता राजन सिंह ने प्रथम प्रयास में क्वालीफाई किया नीट

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। रजत कालेज की छात्रा कुमारी रोहिता राजन सिंह ने

प्रथम प्रयास में ही नीट की ऑल इंडिया प्रवेश परीक्षा में 96 परसेंटाइल एवं सर्वोच्च रैंक प्राप्त करके रजत कॉलेज का पूरे जनपद लखनऊ में मान बढ़ाया है। पूर्व में भी रजत बाल विद्या मंदिर गर्ल्स इंटर कॉलेज शक्ति नगर इंदिरा नगर लखनऊ की इंटरमीडिएट परीक्षा वर्ष 2023 में 97: अंकों के साथ उत्तीर्ण किया है साथ ही नीट की परीक्षा भी क्वालीफाई की है।

इनकी इस सफलता से रजत ग्रुप ऑफ कॉलेजेस की सभी शाखाओं में जश्न का माहौल है। रोहिता राजन सिंह की पूरी शिक्षा रजत कॉलेज में हुई। रोहिता प्रारंभिक शिक्षा से ही बहुत होनहार एवं मेधावी रही है। बहुत ही सौम्य स्वभाव रखने वाली रोहिता को रजत ग्रुप आफ कॉलेज एवं सभी शुभचिंतकों की तरफ से बहुत–बहुत शुभकामनाएं दी जा रही है। रोहिता की मेहनत एवं कर्मठशील व्यवहार को देखते हुए शिक्षकों एवं अभिभावकों ने कॉलेज में जाकर बधाई दी है। रोहिता सामाजिक सेवा की भावना रखने वाली देश की बड़ी डॉक्टर बने, ऐसा सभी शिक्षकों ने आशीर्वाद दिया है। रजत ग्रुप ऑफ कॉलेजेस के चेयरमैन डॉ आरजे सिंह एवं वाइस चेयरमैन श्रीमती पुष्प लता सिंह ने बधाई देते हुए कहा कि रोहिता ने इंटरमीडिएट परीक्षा उत्तीर्ण करने के साथ ही नीट की परीक्षा भी क्वालीफाई की है। माता श्रीमती पुष्प लता सिंह एवं पिता डॉ आरजे सिंह कहा कि दोनों सफलताओं का श्रेय शिक्षकों एवं रोहिता की कड़ी मेहनत को जाता है।

जिला अस्पताल को महीनेभर बाद मिलेगी 24 घंटे बिजली

संवाददाता

फतेहपुर। जिला अस्पताल को महीनेभर बाद 24 घंटे बिजली आपूर्ति मिलेगी। 11 साल पहले बनकर तैयार स्वतंत्र फीडर चालू कराने के लिए बिजली विभाग ने फिर से प्रयास शुरू किया है। अभी तक जिला अस्पताल को आम उपभोक्ताओं की तरह बिजली आपूर्ति मिल रही है। बिजली कटौती होने से अनेक समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। कई तरह की जांचे भी मरीजों को बाजार से करना पड़ रहा है।2004 में तत्कालीन सरकार ने प्रदेश के सभी जिला अस्पतालों को 24 बिजली आपूर्ति के आदेश जारी किए थे। इसके लिए ट्रांसमिशन से स्वतंत्र फीडर बनाकर जिला अस्पताल में आपूर्ति देने का प्रावधान हुआ था। पहली किस्त में सरकार ने फीडर निर्माण के लिए 75 लाख बजट भी आवंटित किया था। मुलायम सिंह सरकार गिरने के बाद बसपा सरकार बनी।

तीन पूर्ति निरीक्षकों का कार्यक्षेत्र में हुआ परिवर्तित

अयोध्या।(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता) जिला पूर्ति अधिकारी बृजेश कुमार मिश्र ने तीन पूर्ति निरीक्षक का कार्यक्षेत्र परिवर्तित कर दिया है।

मिल्कीपुर में तैनात पूर्ति निरीक्षक मुहीद खान को बीकापुर, मिल्कीपुर में ऋषि प्रकाश और सोहावल में शशांक सिंह चौहान को पूर्ति निरीक्षक के पद पर तैनाती दी गई। बीकापुर में तैनात रहे वरिष्ठ पूर्ति निरीक्षक शैलेंद्र प्रताप शुक्ल की पदोन्नति हो गई है। बीकापुर पूर्ति निरीक्षक मुहीद खान ने कार्यभार संभाल लिया।उन्होंने बताया कि कोटेदारों को निर्देशित किया गया है कि जिनकी दुकानें पक्की सड़कों पर नहीं हैं और गलियों में है तो तत्काल चौहद्दी चेंज करा कर अपनी–अपनी दुकानें सड़क पर ले आए, जिससे वाहनों को राशन पहुंचाने में किसी प्रकार की कठिनाई न हो।

खेत बेचकर की दूसरी शादी, चौथे दिन ही दुल्हन लाखों के गहने लेकर फरार, ये है पूरा मामला

संवाददाता

मिर्जापुर। भदोही के एक गांव निवासी 52 वर्षीय व्यक्ति चार बच्चों का पिता है। पहली पत्नी की मौत के बाद उसने जिगना थाना क्षेत्र की एक महिला से 25 मई को शादी की। बताया जा रहा है कि महिला लखनऊ की रहने वाली है। लोगों ने जिगना क्षेत्र का बता कर मंदिर में शादी करा दी।भदोही निवासी एक व्यक्ति ने पहली पत्नी की मौत होने के बाद जिगना थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी महिला के साथ दूसरी शादी की। खेत बेचकर आठ लाख का गहना आदि दिया। तीन दिन साथ रहने के बाद महिला फरार हो गई तो व्यक्ति ने जिगना थाने में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की।भदोही के एक गांव निवासी 52 वर्षीय व्यक्ति चार बच्चों का पिता है। पहली पत्नी की मौत के बाद उसने जिगना थाना क्षेत्र की एक महिला से 25 मई को शादी की। बताया जा रहा है कि महिला लखनऊ की रहने वाली है। लोगों ने जिगना क्षेत्र का बता कर मंदिर में शादी करा दी।महिला तीन दिन तक व्यक्ति के साथ रही। चौथे दिन गहने लेकर फरार हो गई। पीड़ित व्यक्ति ने बताया कि उसने छह से सात बार में लगभग आठ लाख रुपये का जेवरात दिए। उसके साथ धोखा हुआ है। उसने अपना खेत बेचकर पैसे दिए थे। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है। थानाध्यक्ष जिगना अरविंद कुमार पांडेय ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

प्रतिनियुक्ति पर रहे 12 ईओ को उनके मूल पद पर मिली स्थाई तैनाती

लखनऊ। यूपी के कई जनपदों के नगर पालिका में प्रतिनियुक्ति पर राज्य सरकार के अधीन ईओ पद पर कार्य कर रहे 12 अधिकारियों का स्थानांतरण उनके मूल पद पर हो गया है।शासन ने इनकी प्रतिनियुक्ति समाप्त करते हुए उनके मूल विभाग में स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारीध महानिदेशक परिवार कल्याण उत्तर प्रदेश लखनऊ में तत्काल प्रभाव से जाने का निर्देश दिया है।इन सभी 12 अधिकारियों में रणविजय सिंह ईओ रूदौली अयोध्या,ज्ञानेंद्र सिंह विसौली बदायूं,संजय वर्मा अनूप शहरबुलंदशहर,कैलाशनाथ मिश्र मारहरा एटा,धर्मेंद्र बहादुर सिंह बांगरमऊ उन्नाव,अरविंद कुमार पांडेय अछनेरा आगरा,छोटे कन्हैया सिंह मिलक रामपुर,राम सिंह बहजोई संभल,कौशल कुमार अफजलगढ़ विजनौर,अरुणेंद्र प्रसाद पांडेय स्योहारा विजनौर,सुरजीत कुमार सिंह मिश्रिख सीतापुर,राकेश कुमार सिंह विलग्राम हरदोई का नाम शामिल है।

प्रधानमंत्री के कार्यक्रम में एक हजार को मिलेगा आवास प्रमाणपत्र

संवाददाता

मिर्जापुर। वाराणसी में सात जुलाई को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यक्रम में जिले के प्रधानमंत्री आवास के लाभार्थी भी जाएंगे। उनको वहां प्रधानमंत्री प्रमाणपत्र वितरित कर सकते हैं। फिलहाल इसके लिए एक हजार लाभार्थियों की सूची तैयार की गई है।वाराणसी में होने वाले इस कार्यक्रम का सजीव प्रसारण सभी विकास खंड कार्यालयों में समारोह पूर्वक किया जाएगा। इसके साथ ही विकास खंड वार सभी पात्र लाभार्थियों को भी जनप्रतिनिधि आवास के प्रमाणपत्र का वितरण करेंगे। जिला विकास अधिकारी श्रवण कुमार राय ने बताया कि इसके लिए तैयारियां चल रही हैं।वहीं प्रधानमंत्री आवास योजना के नोडल अधिकारी परियोजना निदेशक अनय मिश्र ने बताया कि कुल नौ हजार लाभार्थियों को आवास का प्रमाणपत्र वितरित किया जाना है। इसमें वे एक हजार लाभार्थी भी शामिल हैं जो वाराणसी जाएंगे। विकास खंड में आयोजित कार्यक्रम में पहले प्रधानमंत्री के कार्यक्रम का सजीव प्रसारण किया जाएगा। उसके बाद वहां उपस्थित जनप्रतिनिधियों के माध्यम से लाभार्थियों को आवास का प्रमाणपत्र वितरित किया जाएगा। इसके लिए जिला ग्रामीण विकास अभिकरण कार्यालय में युद्धस्तर पर कार्य किया जा रहा है। वहीं संबंधित लाभार्थी भी इस बात से उत्साहित हैं कि उनको प्रधानमंत्री से मिलने का अवसर प्राप्त होने की संभावना है। फिलहाल विभाग में तैयारियां चल रही हैं।

नोन नदी तट पर पौधरोपण करके रोका जाएगा कटाव

फतेहपुर। नोन नदी के पुनरुद्धार के बाद कटान रोकने के लिए जनप्रतिनिधि और प्रशासनिक अमला आगे आया है। बुधवार को विधायक, डीएम, सीडीओ व ब्लाक प्रमुख ने नदी के तट पर पौधरोपण किया और लोगों को पर्यावरण बचाने का संदेश दिया।

उपनिबंधक ने जांच में पकड़ी 13 लाख रुपये की स्टाम्प चोरी

अयोध्या। मवई चौराहा के निकट प्लाटिंग के लिए खरीदी गई भूमि का बैनामा कराने में कम स्टाम्प का शुल्क अदा किया गया। उपनिबंधक की जांच में यह बात सामने आई है। उपनिबंधक ने 13 लाख 38 हजार 310 रुपये की स्टाम्प कमी पाई है। उपनिबंधक ने अपनी रिपोर्ट सहायक महानिरीक्षक को भेज दी। उपनिबंधक अनीता कुमारी ने बताया कि दुल्लापुर ग्राम पंचायत में परशुराम ने 3070 वर्ग वर्गमीटर भूमि का विक्रय गयादेई के हक में 20 लाख में किया है। बैनामा में इसकी मलियत 21 लाख 75 हजार रुपये दर्शायी गई हैं। उपनिबंधक ने स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण में संपूर्ण भूभाग में प्लाटिंग पाई गई है।

हिन्दी सांध्य दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी प्रभुदयाल श्रीवास्तव की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0–7007415808,9628325542,9415034002

RNI संन्दर्भ संख्या – 24/234/2019/R-1

deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से सम्बन्धित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायलय होगा।